सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सत्येंद्र जैन बनाम करनैल सिंह मानहानि मामले में 29 मई को पेज: 7

इंडस्ट्री में काम करने के तरीके पर बोलीं सई मांजरेकर पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 54 | मंगलवार 26 मई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

नीट-सीबीएसई विवादः केजरीवाल बोले, 'अक्षम' प्रधान को पीएम मोदी तुरंत बर्खास्त करें

नई दिल्ली एजेंसीः आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अक्षम और निकम्मा करार देते हुए सोमवार को कहा कि केंद्रीय मंत्री की वजह से देश भर के लाखों बच्चों को मानसिक प्रताड़ना नहीं दी जा सकती। केजरीवाल ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की मूल्यांकन प्रणाली में कथित अनियमितताओं को लेकर प्रधान के इस्तीफे की मांग की। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर हिंदी में जारी एक वीडियो संदेश में कहा, सीबीएसई मूल्यांकन में भारी अनियमितताओं ने लाखों बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, पहले नीट (राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा) और अब सीबीएसई। प्रधान एक दिन भी शिक्षा मंत्री के पद पर रहने

भारत में डर फैलाने की जरूरत नहीं, निर्मला सीतारमण बोलीं- वैश्विक चुनौतियाँ के बावजूद भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली एजेंसीः विपक्ष के इस दावे के बीच कि पेट्रोल की कीमतों में बार-बार बढ़ोतरी से अर्थव्यवस्था के हर पहलू पर बुरा असर पड़ेगा, केंद्रीय वित्त और कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि भारत की घरेलू आर्थिक स्थिति सकारात्मक और मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से, लगभग 76 दिनों से हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना रहा है कि जनता पर कोई अतिरिक्त बोझ न पड़े। हमने इस वर्ष उत्पाद शुल्क में कटौती के माध्यम से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक राहत प्रदान की है। यदि हमने उस समय ये कटौतियाँ नहीं की होतीं, तो कीमतें ठीक उसी समय 10 रुपये प्रति लीटर बढ़ जातीं। लेकिन वर्तमान में कीमतों में वृद्धि तेल विपणन कंपनियों की

ओर से हो रही है, क्योंकि वे ही तेल की खरीद और बिक्री करती हैं। एसआईडीबीआई स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए सीतारमण ने कहा कि भारत भय फैलाने का जोखिम नहीं उठा सकता; हमें अपने शब्दों और कार्यों के माध्यम से अपने लोगों में विश्वास जगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की घरेलू आर्थिक स्थिति आज भी सकारात्मक और मजबूत बनी हुई है। इसलिए, जो लोग बिना सोचे-समझे इस परिदृश्य में कूद पड़ते हैं और कहते हैं कि सब कुछ खत्म हो रहा है, वे गलत हैं। भारतीयों का एक वर्ग ऐसा भी है जो बहुत जल्दी अपने ही लोगों की उपलब्धियों को नकारना चाहता है। एक निराशावादी, निंदक माहौल बनाया जाता है, जो बिल्कुल गलत है। यह गलत इसलिए है क्योंकि यह भय फैलाता है। भारत भय फैलाने

1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक राहत दी.......

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्षी दावों को खारिज करते हुए कहा कि भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था सकारात्मक और मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती कर 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक राहत दी, जबकि मौजूदा कीमतों में वृद्धि तेल विपणन कंपनियों के निर्णयों का परिणाम है। सीतारमण ने भय फैलाने के बजाय लोगों में विश्वास जगाने और अर्थव्यवस्था की मजबूती पर जोर दिया।

का जोखिम नहीं उठा सकता; हमें अपने शब्दों और कार्यों से अपने लोगों में विश्वास जगाना होगा। भारत एक मजबूत अर्थव्यवस्था बना हुआ है। सीतारामन ने यह भी कहा कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कम करने से सरकार को 1 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का घाटा होगा। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद सरकार को 2026 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व का लाभ होने का अनुमान है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि से नागरिकों को बचाने के लिए पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। वित्त मंत्री ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के अलावा, उर्वरक की कीमतें भी अकल्पनीय स्तर पर पहुंच गई हैं, और साथ ही सोने की ऊंची कीमतें बाहरी मोर्चे पर कुछ चुनौतियां पैदा कर रही हैं। सीतारमन ने कहा कि ईंधन, उर्वरक और विदेशी मुद्रा - इन तीन 'एफ' पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, और प्रधानमंत्री मोदी की अपीलें इसी संदर्भ में हैं। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के 81 लाख करोड़ रुपये के लंबित भुगतानों का मुद्दा उनकी कार्यशील पूंजी और विकास को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से एमएसएमई को भुगतान करने के लिए 45 दिनों की समय सीमा से अधिक समय न लेने का आग्रह किया।

'कॉकरोच' विवाद पर सीजेआई सूर्यकांत की वकीलों को नसीहत- इतना भावनात्मक न हों, तत्काल सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली एजेंसीः भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को वकीलों से कहा कि वे इतनी भावुक प्रतिक्रिया न दें, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने उनके हालिया बयान के बाद उठे "तिलचट्टे" विवाद से जुड़ी याचिकाओं पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। यह मामला मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष आया, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी एम पंचोली भी शामिल थे। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में तत्काल सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं है और याचिकाओं पर उचित समय पर विचार किया जाएगा। अदालत के समक्ष दो जनहित याचिकाएँ पेश की गईं। एक याचिका में सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफार्मों पर अदालती कार्यवाही के कथित व्यावसायिक उपयोग और प्रसार के खिलाफ निर्देश

देने की मांग की गई थी। दूसरी याचिका में व्यंग्यात्मक ऑनलाइन आंदोलन से जुड़ी गतिविधियों की जांच की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान, एक वकील ने तर्क दिया कि मुख्य न्यायाधीश द्वारा पहले जारी स्पष्टीकरणों के बावजूद, न्यायपालिका की छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए ऑनलाइन विकृत और दुर्भावनापूर्ण कथा" फैलाई जा रही है। इन दलीलों का जवाब देते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इसे इतना भावुकतापूर्ण ढंग से न लें," और तत्काल सुनवाई के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। यह विवाद 15 मई को वरिष्ठ अधिवक्ता पदनाम और फर्जी विधि डिग्रियों से जुड़े आरोपों पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई टिप्पणियों के बाद शुरू हुआ। इस दौरान, मुख्य न्यायाधीश ने संस्थानों पर हमलों की आलोचना करते हुए उन्हें "समाज के परजीवी" बताया। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ बेरोजगार युवा "तिलचट्टों की तरह" बन जाते हैं और मीडिया, सोशल मीडिया सक्रियता और आरटीआई अभियानों के माध्यम से संस्थानों पर हमला करते हैं। इन टिप्पणियों पर तुरंत ऑनलाइन तीखी प्रतिक्रिया हुई और कई उपयोगकर्ताओं ने न्यायपालिका पर बेरोजगार युवाओं का अपमान करने का आरोप लगाया। इसके तुरंत बाद, एक व्यंग्यात्मक सोशल मीडिया अभियान ऑनलाइन ट्रेंड करने लगा। विवाद बढ़ने के बाद, मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि उनके बयान को संदर्भ से हटाकर पेश किया जा रहा है और उन्होंने जोर देकर कहा कि ये बयान भारत के युवाओं पर लक्षित नहीं थे। उन्होंने कहा कि उनकी आलोचना उन लोगों पर लक्षित थी जो फर्जी और फर्जी डिग्रियों का इस्तेमाल करके पेशे में प्रवेश कर रहे हैं और जो व्यवस्था पर हमला करते हुए

बंगाल में 'बुलडोजर' पर ममता की भाजपा को ललकार, पूछा- संविधान बड़ा या बंदूक की नली?

नई दिल्ली एजेंसीः पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भाजपा पर राज्य आतंकवाद का आरोप लगाया और कहा कि वह पार्टी की कार्रवाइयों का संवैधानिक और कानूनी तरीकों से मुकाबला करती रहेंगी। दल कार्यकताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास हाल ही में हुई तोड़फोड़ की आलोचना करते हुए संविधान और न्यायपालिका का हवाला दिया। बनर्जी ने कहा कि मैं न्यायपालिका को याद दिलाना चाहती हूं कि वे कानून के सच्चे रक्षक हैं... मैं राज्य आतंकवाद के खिलाफ कानूनी लड़ाई जारी रखूंगी। मैं देखूंगी कि किसकी शक्ति अधिक है संविधान

की या बंदूक की नली की। उनकी ये टिप्पणियां इस महीने की शुरूआत में हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास कथित अवैध ढांचों को गिराए जाने के बाद बढ़ते राजनीतिक टकराव के बीच आई हैं। यह अभियान भारी पुलिस बल की तैनाती और बुलडोजर व अन्य मशीनों की मदद से चलाया गया था। टीएमसी सुप्रीमो ने केंद्र सरकार पर भी हमला किया और भाजपा को भविष्य में राजनीतिक परिणामों की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि जब आप दिल्ली में सत्ता से गिरेंगे, तो आपको अपने कार्यों के परिणाम भुगतने होंगे – हम उस दिन का इंतजार कर रहे हैं। अपनी सरकार की पिछली पुनर्वास नीतियों से तुलना करते हुए, बनर्जी ने कल्याणी एक्सप्रेस सेतु परियोजना का उदाहरण दिया। उन्होंने आरोप लगाया कल्याणी एक्सप्रेस सेतु के निर्माण के दौरान सड़क पर 43 घर प्रभावित हुए थे, और हमने उनके पुनर्वास के लिए ठीक वैसे ही 43 घर बनाए। अब वहां लूटपाट, तोड़फोड़ और हर तरह के निशान मिटाने की कोशिशें हो रही हैं। 16 मई को चलाए गए विध्वंस अभियान में हावड़ा स्टेशन क्षेत्र में नगर निगम अधिकारियों द्वारा अनधिकृत अतिक्रमण के रूप में चिह्नित ढांचों को निशाना बनाया गया। इस कार्रवाई के बाद तृणमूल कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और पश्चिम बंगाल में नवगठित भाजपा सरकार पर "बुलडोजर संस्कृति" को बढ़ावा देने और फेरीवालों और निवासियों को जबरन बेदखल करने का आरोप लगाया।

अन्नामलाई के सीएम विजय पर किया बड़ा हमला, मदुरै और कोयंबटूर में निर्मम हत्या की घटना को लेकर राज्य सरकार को घेरा

नई दिल्ली एजेंसीः तमिलनाडु में लगातार सामने आ रही हत्या, दुष्कर्म और गैंग अपराध की घटनाओं ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। मदुरै के मीनाक्षी अम्मन मंदिर के पास 17 वर्षीय युवक गुबेंद्रन की निर्मम हत्या और कोयंबटूर में 10 वर्षीय बच्ची के दुष्कर्म तथा हत्या मामले ने मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। इन घटनाओं के बीच भारतीय जनता पार्टी के नेता अन्नामलाई लगातार सरकार पर हमलावर हैं और जमीनी स्तर पर सक्रिय नेतृत्व का परिचय देते हुए जनता की आवाज बुलंद कर रहे हैं। हम आपको बता दें कि मदुरै में सोमवार तड़के हुई वारदात ने पूरे राज्य को झकझोर दिया। पुलिस के अनुसार, गुबेंद्रन नामक किशोर को सुबह लगभग चार बजे मीनाक्षी अम्मन मंदिर के निकट उत्तर अवनी मूला सड़क पर पांच सदस्यीय गिरोह ने घेर लिया और धारदार हथियारों से काट डाला।

बताया गया कि हमलावर दो मोटरसाइकिलों पर पहुंचे थे। युवक ने जान बचाने के लिए भागने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने पीछा कर उसे मौत के घाट उतार दिया। आसपास लगे कैमरों में पूरी घटना कैद हो गई। यह हत्या उस इलाके में हुई जिसे राज्य का सबसे संवेदनशील और सुरक्षा व्यवस्था से लैस क्षेत्र माना जाता है। जांच में सामने आया कि पिछले महीने चित्रई उत्सव के दौरान गुबेंद्रन और स्थानीय अपराधी मुथुमणि उर्फ थोथल मुथुमणि के बीच झगड़ा हुआ था। पुलिस का मानना है कि उसी दुश्मनी का बदला लेने के लिए हत्या की साजिश रची गई। मुथुमणि, उसका भाई राज तथा सतीश कुमार, हरि कृष्णन और मुथुकुमार को इस वारदात का मुख्य आरोपी बताया जा रहा है। हालांकि घटना के कई घंटे बाद तक पुलिस किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। इससे पुलिस की कार्यशैली और तत्परता पर भी सवाल उठे। इस बीच कोयंबटूर के सुलूर इलाके में 10 वर्षीय बच्ची के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या की घटना ने राज्यभर में भारी आक्रोश पैदा कर दिया। जनता सड़कों पर उतर आई और सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तेज हो गए।

सीबीएसई का बड़ा फैसला, नई शिक्षा नीति के तहत अब पाठ्यक्रम में शामिल होगी मैथिली भाषा

बिहार एजेंसीः बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के पाठ्यक्रम में मैथिली को शामिल किये जाने का सोमवार को स्वागत करते हुए कहा कि यह मिथिला की सांस्कृतिक पहचान और भाषाईगौरव के लिए गर्व की बात है। सीबीएसई ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मैथिली को माध्यमिक स्तर के विषय के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है। चौधरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कक्षा एक से माध्यमिक स्तर तक सीबीएसई पाठ्यक्रम में मैथिली को शामिल किया जाना मिथिला की सांस्कृतिक पहचान और भाषाई गौरव के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में मैथिली को शामिल कर मिथिला की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सशक्त स्थान दिलाने की दिशा में

उठाया गया यह कदम ऐतिहासिक और अत्यंत सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निर्णय से मैथिली को नयी पहचान और सम्मान मिलेगा तथा यह भावी पीढ़ियों को उनकी मातृभाषा, संस्कृति और जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषाओं, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन को लगातार नयी मजबूती मिल रही है।

कॉकरोच जनता पार्टी की वेबसाइट बंद होने का दावा, अभिजीत दीपके बोले- घर के बाहर तैनात पुलिस...यह तानाशाही है

नई दिल्ली एजेंसीः सीजेआई सूर्यकांत की युवाओं को लेकर टिप्पणी के बाद इंटरनेट पर तहलका मचाने वाली 'कॉकरोच जनता पार्टी' की आधिकारिक वेबसाइट को भी बंद कर दिया गया है। इसके एक्स हैंडल को भारत में पहले ही बैन कर दिया गया था। वहीं पार्टी संस्थापक अभिजीत दीपके ने दावा किया था कि उनके निजी इंस्टाग्राम को भी हैक कर लिया गया है। दीपके ने कहा कि पार्टी की वेबसाइट को बंद कर दिया गया है और यह तानाशाही है। उन्होंने कहा कि इस वेबसाइट के माध्यम से 10 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। दीपके का दाव, जान से मारने की मिल रहीं है धमकियां कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने इसे डिजिटल संगठन के खिलाफ कार्रवाई किये जाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कई अकाउंट हटाए जाने और हैकिंग की घटनाओं के बाद अब संगठन की किसी भी सोशल मीडिया अकाउंट तक पहुंच नहीं रह गई है। दीपके ने

'एक्स' पर दावा किया कि उनका खुद का इंस्टाग्राम अकाउंट भी हैक कर लिया गया है। इससे दो दिन पहले भारत में सीजेपी के 'एक्स' अकाउंट पर रोक लगा दी गई थी, जिसके बाद दीपके ने नया अकाउंट बनाया था। संगठन ने शिक्षा क्षेत्र में कथित नाकामियों और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान का इस्तीफा मांगते हुए शुक्रवार को एक अभियान शुरू किया था। बाद में दीपके ने दावा किया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने धमकी भरे संदेशों के 'स्क्रीनशॉट' भी साझा किए। इंस्टाग्राम पेज हैक किया गया शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में दीपके ने कहा, "कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ कार्रवाई। इंस्टाग्राम पेज हैक किया गया। मेरा व्यक्तिगत इंस्टाग्राम अकाउंट भी हैक किया गया। ट्विटर अकाउंट पर रोक लगाई गई। बैक अप अकाउंट पर भी रोक लगा दी गई।" उन्होंने लिखा, "आपको सूचित करना चाहता हूं कि फिलहाल हम अपने सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे।

अमित शाह का 'मिशन बॉर्डर' शुरू, पाकिस्तान-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा का लेंगे जायजा

नई दिल्ली एजेंसीः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार रात से भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों के व्यापक बहु-राज्यीय दौरे पर निकलेंगे। इस दौरे का उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करना और देश की सीमाओं की रक्षा के लिए जिम्मेदार विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाना है। यह दौरा केंद्र सरकार द्वारा बदलती सुरक्षा चुनौतियों के बीच सीमा प्रबंधन को मजबूत करने पर लगातार ध्यान केंद्रित करने का हिस्सा है। आधिकारिक सूत्रों ने एएनआई को बताया कि इस दौरे में राजस्थान, गुजरात, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल सहित प्रमुख सीमावर्ती राज्य शामिल होंगे, जो पश्चिमी और पूर्वी दोनों क्षेत्रों में तैयारियों का आकलन करने के सरकार के इरादे को दर्शाता है। दौरे का पहला चरण 25 मई (सोमवार) की रात को शाह के राजस्थान के बीकानेर पहुंचने के साथ शुरू होगा। सूत्रों के अनुसार, 26 मई को गृह मंत्री भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित सांचू में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की चौकी का दौरा करेंगे। इस दौरे के दौरान, वे क्षेत्र में तैनात बीएसएफ कर्मियों से बातचीत करेंगे और दुर्गम और दूरस्थ क्षेत्रों में तैनात सैनिकों के सामने आने वाली परिचालन चुनौतियों और जमीनी हकीकतों की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करेंगे। सुरक्षा कर्मियों से बातचीत के अलावा, शाह बलों की जीवन और

कार्य स्थितियों में सुधार लाने के उद्देश्य से कई कल्याणकारी पहलों का भी उद्घाटन करेंगे। ये पहलें सरकार द्वारा चुनौतीपूर्ण वातावरण में सेवारत कर्मियों का मनोबल बढ़ाने और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं। बाद में दिन में, गृह मंत्री बीकानेर में सीमावर्ती जिलों में समग्र सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में गृह

चर्चा में समन्वय तंत्र, खुफिया जानकारी साझा करने और सीमा पार खतरों का मुकाबला करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित होने की संभावना है। राजस्थान दौरे के बाद, शाह 29 मई को गुजरात के भुज जाएंगे। वहां वे बीएसएफ की एक और सीमा चौकी का निरीक्षण करेंगे

मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, राजस्थान सरकार के प्रतिनिधियों, शीर्ष बीएसएफ अधिकारियों और पांच सीमावर्ती जिलों के प्रशासनिक और पुलिस प्रमुखों के शामिल होने की उम्मीद है। चर्चा में समन्वय तंत्र, खुफिया जानकारी साझा करने और सीमा पार खतरों का मुकाबला करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित होने की संभावना है। राजस्थान दौरे के बाद, शाह 29 मई को गुजरात के भुज जाएंगे। वहां वे बीएसएफ की एक और सीमा चौकी का निरीक्षण करेंगे और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हरामी नाला क्षेत्र का दौरा करेंगे। कच्छ के रण में भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित यह क्षेत्र अपने दुर्गम भूभाग और घुसपैठ के प्रयासों के इतिहास के कारण लंबे समय से संवेदनशील माना जाता रहा है। अधिकारियों ने आगे बताया कि गृहमंत्री का यह दौरा संवेदनशील क्षेत्रों में कड़ी निगरानी बनाए रखने पर केंद्र सरकार के जोर को दशार्ता है। गृह मंत्री के कार्यक्रम में 5 जून को त्रिपुरा का दौरा भी शामिल है, जहां वे भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करेंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र में अवैध घुसपैठ और तस्करी से संबंधित मुद्दों सहित अपनी अनूठी चुनौतियां हैं, जो प्रभावी सीमा प्रबंधन के लिए नियमित आकलन को महत्वपूर्ण बनाती हैं। जून के मध्य में, शाह के पश्चिम बंगाल का दौरा करने की उम्मीद है - एक और महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य जो बांग्लादेश के साथ एक लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करता है - जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस महीने की शुरूआत में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस को हराकर पहली बार बहुमत हासिल किया और अपनी सरकार बनाई।

समकालीन बोध और संवेदना का अनूठा लघुकथा संग्रह बारिश की बूँदें :- डॉ.संतोष पटेल

आज का मनुष्य एक ऐसे दौर में जी रहा है जहाँ समय की गति तीव्र है और धैर्य की सीमाएँ संकुचित। कला और साहित्य के प्रति अभिरुचि होने के बावजूद, लंबी कड़ियों वाले उपन्यासों या विस्तृत कहानियों के लिए समय निकाल पाना समकालीन पाठक के लिए एक चुनौती बन गया है। ऐसे समय में, 'लघुकथा' साहित्य जगत में एक अत्यंत सशक्त, धारदार और लोकप्रिय विधा के रूप में उभरी है। यह विधा कम से कम शब्दों में जीवन के सबसे गहरे सत्यों को उजागर करने का सामर्थ्य रखती है। दरअसल लघुकथा आधुनिक गद्य साहित्य की वह स्वतंत्र और संवेदात्मक विधा है, जो आकार में सूक्ष्म होते हुए भी प्रभाव में अत्यंत व्यापक होती है। इसमें जीवन के किसी एक क्षण, किसी एक विसंगति, तीव्र अनुभूति या वैचारिक द्वंद्व को इस तरह केंद्रित किया जाता है कि वह पाठक के मानस पटल पर एक गहरा और अमिट प्रभाव छोड़ सके। इसमें न तो अनावश्यक विस्तार के लिए कोई स्थान होता है और ना ही पात्रों के लंबे चरित्र-चित्रण के लिए। इसका आरंभ सीधा और अंत एक तीव्र कौंध या मारक प्रभाव के साथ होता है। अंग्रेजी में लघुकथा की परिभाषा देखें तो Flash fiction, micro-story, or the short-short story is a distinct genre of fictional literature characterized by its extreme brevity.आर एस आघात केवल शब्दों के कारीगर नहीं हैं, बल्कि वे समाज के एक मूक और सूक्ष्म पर्यवेक्षक हैं। उनके पास जीवन के विभिन्न अनुभवों की एक समृद्ध थाती है, जिसे उन्होंने समाज की निचली परतों से लेकर महानगरीय जीवन की विद्रूपताओं के बीच रहकर संचित किया है। आघात के भीतर की संवेदनशीलता उनकी हर लघुकथा में साफ छलकती है। उनकी लेखन शैली की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे कभी भी उपदेशक या उपदेशात्मक लहजे में बात नहीं करते, बल्कि वे अपनी कहानियों के माध्यम से समाज के सामने एक ऐसा आईना रख देते हैं, जिसमें पाठक को अपना ही अक्स नजर आने लगता है। वे बेहद कम शब्दों में, बिना किसी लाग-लपेट के, सीधे मुद्दे पर चोट करने में माहिर हैं। भाषा पर उनका अद्भुत अधिकार है—उनकी भाषा न तो जटिल तत्सम शब्दों से बोझिल है और न ही अत्यधिक सतही। आम बोलचाल के शब्दों का साहित्यिक पुट उनकी रचनाओं को हर वर्ग के पाठक के लिए सुलभ बनाता है। पूर्व में भी उनकी रचनाओं को विभिन्न राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में सराहना मिली है, और यह वर्तमान कृति उनके परिपक्व होते रचना-संसार का सबसे सुंदर प्रमाण है। यह लघुकथा संग्रह हमारी आज की जिंदगी, हमारी व्यवस्था, हमारे नैतिक पतन और हमारे भीतर मरती जा रही संवेदनाओं का एक संपूर्ण कोलाज है। पुस्तक के भीतर जो संसार रचा गया है, वह काल्पनिक न होकर पूरी तरह से यथार्थ की ठोस जमीन पर खड़ा है। लेखक ने उन विषयों को छुआ है, जिन्हें हम रोज देखते हैं, लेकिन उन पर गहराई से विचार करने से बचते हैं। चाहे वह बूढ़े माता-पिता की बेबसी हो, महानगरों में अकेला होता जा रहा बचपन हो, दफ्तरों में फैला भ्रष्टाचार हो, या फिर सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में खोखले होते जा रहे मानवीय रिश्ते हों—लेखक की कलम हर जगह पूरी ईमानदारी से चलती है। इस संग्रह की कहानियों की खूबी यह है कि ये पाठक को केवल भावुक नहीं करतीं, बल्कि उनके भीतर छिपे नागरिक को झकझोरती हैं, उसे सोचने पर विवश करती हैं और व्यवस्था की कमियों के खिलाफ खड़े होने का एक नैतिक संबल प्रदान करती हैं। इस लघुकथा संग्रह के प्रथम भाग में उन लघुकथाओं को स्थान दिया गया है जो समाज में व्याप्त जातिवाद, वर्ग-भेद, धार्मिक पाखंड और अंधविश्वास पर तीखा प्रहार करती हैं। ये कहानियाँ समाज के रूढ़िवादी चेहरे को बेनकाब करती हैं। दूसरा खंड पूरी तरह से मानवीय संवेदनाओं और पारिवारिक रिश्तों को समर्पित है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में किस प्रकार संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं और व्यक्ति अपने ही घर में अजनबी होता जा रहा है, इसका मार्मिक चित्रण यहाँ देखने को मिलता है। तीसरे खंड में प्रशासनिक तंत्र की संवेदनहीनता, लालफीताशाही और एक आम, सीधे-सादे नागरिक की लाचारी को दर्शाती कहानियाँ इस खंड की रीढ़ हैं। यहाँ लेखक का व्यंग्य अपनी पूरी धार के साथ प्रकट हुआ है। और संग्रह का यह अंतिम हिस्सा पाठक को अंतमुर्खी बनाता है। इसमें मानव मन के भीतर चलने वाले लालच, स्वार्थ, संतोष, प्रेम और दया जैसे भावों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण लघुकथाओं के माध्यम से किया गया है। मेरा मानना है कि इस संग्रह की लघुकथाएँ महज कहानियाँ नहीं हैं, बल्कि ये समय का एक्स-रे हैं। लेखक ने बहुत ही कम शब्दों में जो धारदार बातें कही हैं, वे किसी बड़े उपन्यास के प्रभाव से कम नहीं हैं। यह पुस्तक आज के हिंदी साहित्य की एक बड़ी उपलब्धि है। लघुकथा विधा में अक्सर लोग केवल चुटकुलेबाजी या आखिरी लाइन में कोई चौंकाने वाला तत्व डालने का प्रयास करते हैं, लेकिन इस पुस्तक के लेखक ने इस विधा को एक नई गरिमा दी है। यहाँ हर पंक्ति में एक ठहराव है और एक गहरी सामाजिक चेतना है। यह पुस्तक आज के समय की एक अनिवार्य आवश्यकता है। इसे इसलिए पढ़ा जाना चाहिए ताकि हम अपनी भागती-दौड़ती जिंदगी के बीच थोड़ी देर रुककर खुद से और अपने समाज से संवाद कर सकें। यह पुस्तक हमें सिखाती है कि कैसे व्यस्तताओं के बीच भी अपनी मानवीय संवेदनाओं को जिंदा रखा जा सकता है। यह उन सभी पाठकों के लिए एक बेहतरीन सौगात है जो कम समय में गुणवत्तापूर्ण और विचारोत्तेजक साहित्य पढ़ना पसंद करते हैं। यह संग्रह सिद्ध करता है कि लघुकथा कोई दोयम दर्जे की विधा नहीं है, बल्कि यह गद्य की सबसे कठिन और प्रभावशाली विधाओं में से एक है। युवा पीढ़ी, जो धीरे-धीरे हिंदी पठन-पाठन से दूर हो रही है, उसके लिए यह पुस्तक एक सेतु का कार्य करेगी क्योंकि इसकी भाषा सरल, प्रवाहमयी और सीधे दिल में उतरने वाली है।

इस पुस्तक की कहानियाँ पाठक को मूक दर्शक बने रहने से रोकती हैं और उसमें सामाजिक बुराइयों के प्रति एक तार्किक दृष्टिकोण पैदा करती हैं। निष्कर्षतः, बारिश की बूँदें, लघुकथा संग्रह समकालीन हिंदी साहित्य परिदृश्य में एक अत्यंत मूल्यवान और संग्रहणीय कृति है। लेखक अपनी इस कृति के माध्यम से पाठकों के दिलों में एक खास जगह बनाने में पूरी तरह सफल रहे हैं। पत्रिका के माध्यम से हम अपने सभी सुधी पाठकों को यह अनुशंसा करते हैं कि वे इस पुस्तक को अवश्य खरीदें, पढ़ें और इस वैचारिक यात्रा का हिस्सा बनें।

समीक्षक- डॉ संतोष पटेल

संपादकीय

रुपये की गिरावट

यूं देश के आयात-निर्यात असंतुलन के चलते पिछले दो दशकों से रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट देखी गई है, लेकिन हाल के कुछ महीनों में इस गिरावट में तेजी आई है। खासकर ईरान-अमेरिकी युद्ध शुरू होने के बाद इसमें छह फीसदी की चिंताजनक गिरावट आई है। जो हमारी आयात पर अत्यधिक निर्भरता को ही दशार्ता है। यद्यपि दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए ऐसे मुद्रा संकट कोई नई बात नहीं है, लेकिन हालिया गिरावट हमारी चिंता बढ़ाने वाली है। दरअसल, यह गिरावट भू-राजनीतिक अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों में अप्रत्याशित तेजी, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अनिश्चितता से मुद्रास्फीति और धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि के बीच हो रही है। इन दबावों ने मिलकर एक ऐसा संवेदनशील वातावरण बनाया है, जिसमें रुपये की कमजोरी व्यापक आर्थिक व्यवधानों को जन्म दे रही है। वैसे तो बढ़ता आयात असंतुलन ही रुपये की गिरावट के मूल में है। सबसे बड़ा संकट तो कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता का है, जो करीब 88 फीसदी है। इसके अलावा खाद्य तेल, उर्वरक आदि आवश्यक वस्तुओं का आयात लगातार बढ़ा है। वहीं रुपये के डॉलर के मुकाबले लगातार गिरने से ये वस्तुएं महंगी हो गई हैं। खासकर ईंधन की बढ़ती कीमतों का असर परिवहन, मालभाड़ा वृद्धि, भोजन और घरेलू खर्चों पर पड़ा है। इसके चलते रुपये के अवमूल्यन से कंपनियां तथा देश के नीति-निमार्ता भी खासे चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा में ऋण लेने वाली भारतीय कंपनियों पर ऋण चुकाने का अतिरिक्त बोझ बढ़ रहा है। दरअसल, इन सभी कारणों से बढ़ते व्यापार घाटे का चालू खाते के घाटे पर अतिरिक्त दबाव पड़ा है। जिसके चलते शेयर बाजार में लगातार गिरावट का ट्रेंड देखा जा रहा है। वास्तव में विदेशी निवेशक अनिश्चितता के वातावरण में सुरक्षित अमेरिकी कंपनियों में निवेश बढ़ा रहे हैं। फलतः अर्थव्यवस्था में विदेशी निवेश में लगातार निकासी का रुझान देखा जा रहा है। जिसने हमारी आर्थिक चिंताओं को और बढ़ाया है। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस जारी अस्थिरता को कम करने के लिये विदेशी मुद्रा भंडार के माध्यम से हस्तक्षेप किया है, लेकिन ऐसे उपाय महज गिरावट की गति को कम करने के अलावा बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं।

चिंतन-मनन

सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अवंतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना। एक ने कहा-बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है। बापू ने कहा-वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा-उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ। उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आवंतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अवंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया। शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दीवाली है। दीवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा। गांधीजी का स्वर तेज था। एक दिन में क्या हो जाएगा? जनसेवक को निठल्ले नहीं बैठना है। तभी अवंतिका बोलीं- बापू, आप मुझे यह बताएं कि बड़हखा के कायाकल्प के लिए मुझे क्या करना है। गांव की समस्याओं का तो वहीं जाकर अध्ययन करना होगा और गांव वालों का विश्वास जीतना होगा। और विश्वास जीतने के लिए क्या करना होगा? सादगी और निष्ठा का पालन ही तुम्हें विश्वस्त बनाएगा। जनसेवक की यही संपत्ति है। यह सुनकर आवंतिका बाई तैयारी में जुट गईं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपइया : आम आदमी पर महंगाई की मार

दिलीप कुमार पाठक

आजकल सुबह आंख खुलते ही सबसे पहला डर इसी बात का होता है कि आज कौन सी चीज महंगी हो गई। हर दिन की तरह आज भी पेट्रोल और डीजल के दाम फिर बढ़ गए हैं। आज पेट्रोल में करीब 2.61 रुपए और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी हुई है। पिछले दस दिनों में यह चौथी बार है जब जेब पर इस तरह का डाका डाला गया है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं मुंबई में तो पेट्रोल 111 रुपए के भी पार बिक रहा है। एक आम इंसान के लिए अब यह रोज का सिरदर्द बन चुका है। कमाई वही है, लेकिन खर्चे रॉकेट की रफ्तार से भाग रहे हैं।

साल 2014 में जब देश में मोदी सरकार आई थी, तब हर तरफ एक ही चर्चा थी कि अब महंगाई के दिन खत्म होने वाले हैं। बहुत हुई महंगाई की मार वाला नारा तो सबको याद ही होगा। तब लोगों को लगा था कि चलो, अब कोई ऐसी सरकार आई है जो रसोई गैस, दाल, तेल और पेट्रोल-डीजल के दाम कम करके आम जनता को चैन की सांस देगी। लेकिन आज इतने साल बीतने के बाद जब हम अपनी जेब देखते हैं, तो लगता है कि राहत की उम्मीद करना ही बेकार था। राहत मिलना तो दूर, अब तो गुजारा करना भी भारी पड़ रहा है। तेल के दाम बढ़ने का मतलब सिर्फ गाड़ी में महंगा पेट्रोल डालना नहीं होता। डीजल महंगा होते ही ट्रक और गाड़ियों का किराया बढ़ जाता है। इसका सीधा असर हमारे घर के राशन और रसोई पर पड़ता है। जो सब्जियां, दाल, दूध और अनाज मंडियों से हमारे घर तक आते हैं, उन सब की कीमतें अचानक बढ़ जाती हैं। हाल ही में सरकार ने जो खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक देश की महंगाई दर 3.48% पर है। लेकिन इसी सरकारी आंकड़े में खाने-पीने की चीजों की महंगाई 4.20% से भी ऊपर चल रही है। सरकार भले ही टीवी और अखबारों में आंकड़ों का खेल दिखाकर यह कहे कि सब कुछ नियंत्रण में है, लेकिन बाजार जाकर जब जेब से पैसे ढीले होते हैं, तब असली हकीकत समझ आती है। जो सामान कुछ महीने पहले जितने में आता था, आज उतने पैसे में आधा सामान भी नहीं मिल रहा।

त्योहारों की खुशियाँ मनाने के बजाय अब लोग महीने का खर्च देखकर डरने लगे हैं।परेशानी सिर्फ खाने-पीने की चीजों तक ही रुकी हुई नहीं है। घर का गैस सिलेंडर आज हजार रुपये के पार पहुंच चुका है। इसके ऊपर से बच्चों की स्कूल फीस, बिजली का बिल और बीमारी के समय दवाइयों का खर्च अलग से कमर तोड़ देता है। सरकारी अस्पताल हो या प्राइवेट, हर जगह इलाज और दवाइयां आम आदमी के बजट से बाहर हो चुकी हैं। नौकरीपेशा लोगों की सैलरी सालों-साल उतनी ही रहती है, लेकिन बाजार की हर चीज महंगी होती जा रही है। महीने की दस या पंद्रह तारीख आते-आते मध्यमवर्गीय लोग पैसे गिनने लगते हैं कि बाकी का आधा महीना कैसे कटेगा।जब भी इस पर बात होती है, तो सरकार की तरफ से कह दिया जाता है कि दुनिया भर में मंदी है या कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं। ठीक है, दुनिया की बातें अपनी जगह हैं, लेकिन जनता यह भी तो देखती है कि जब बाहर कच्चे तेल के दाम कम होते हैं, तब हमारे यहाँ पेट्रोल-डीजल सस्ता क्यों नहीं होता? सरकार भारी-भरकम टैक्स और सेस लगाकर अपना खजाना भरने में लगी है और उसका पूरा बोझ सीधे उस जनता पर आ रहा है जो पहले से ही पाई-पाई के लिए परेशान है।

आखिर में सवाल यही घूम-फिर कर आता है कि क्या वे अच्छे दिन सिर्फ चुनाव जीतने के वादे थे? लोगों ने बड़ी उम्मीद से वोट दिया था कि उनकी जिंदगी थोड़ी आसान होगी। लेकिन आज सच यह है कि सुबह की चाय से लेकर रात की रोटी तक, हर चीज पर महंगाई का हथौड़ा चल रहा है। अब लोग बुनियादी जरूरतों में कटौती करने लगे हैं - कोई दूध कम ले रहा है, तो कोई बच्चों की ट्यूशन बंद करवा रहा है। सरकार को अब यह कागजी आंकड़े छोड़ देने चाहिए और जमीन पर आकर देखना चाहिए, क्योंकि जब तक आम आदमी की थाली सस्ती नहीं होगी, तब तक तरक्की की सारी बातें बेकार हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

ट्रंप को समझ आ गया कि चीन का मुकाबला अकेले नहीं, भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है

अमेरिका को अब इस बात का भलीभांति एहसास हो चुका है कि चीन जैसी उभरती महाशक्ति को रोक पाना उसके अकेले बूते की बात नहीं रह गई है। यही कारण है कि चीन से लगभग खाली हाथ लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब उम्मीद की सबसे मजबूत किरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दरबार में दिखाई दे रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा दरअसल इसी बदली हुई वैश्विक मजबूरी और रणनीति का संकेत है। ट्रंप ने जिस तरह भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से बातचीत के दौरान सार्वजनिक तौर पर कहा कि 'मुझे प्रधानमंत्री मोदी बहुत पसंद हैं। मोदी महान हैं और वो मेरे दोस्त हैं।' ट्रंप ने यह तक कहा कि 'हम भारत के इतने करीब पहले कभी नहीं थे और भारत मुझ पर तथा अमेरिका पर सौ फीसदी भरोसा कर सकता है।' यह बयान सिर्फ दोस्ती का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उस बदले हुए अमेरिकी रुख का संकेत है जिसमें वॉशिंगटन अब भारत को एशिया में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाले सबसे अहम स्तंभ के रूप में देख रहा है।

दिलचस्प बात यह भी रही कि मार्को रुबियो ने अपने भारत दौरे में ताजमहल के दीदार का कार्यक्रम भी रखा। कूटनीतिक गलियारों में इसे केवल पर्यटन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है, मानो अमेरिका भारत को यह भरोसा दिलाना चाहता हो कि वह इस बार दबाव नहीं, बल्कि मोहब्बत और साझेदारी का पैगाम लेकर आया है।

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं।

दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। वह अब वैश्विक सप्लाई चेन, तकनीक, रक्षा उत्पादन और सामरिक निवेश के जरिए दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान तक, बीजिंग का आक्रामक रवैया अमेरिका के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसके पास विशाल बाजार है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करता है।

अमेरिका यह भी समझ चुका है कि केवल सैन्य शक्ति से चीन को रोका नहीं जा सकता। इसके लिए आर्थिक नेटवर्क, तकनीकी साझेदारी और भरोसेमंद औद्योगिक ढांचा जरूरी है। यही कारण है कि सेमीकंडक्टर, रक्षा निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी

जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

उधर, भारत के लिए भी यह अवसर कम महत्वपूर्ण नहीं है। लंबे समय तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता दी। लेकिन अब नई दिल्ली समझ रही है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए बिना अपने हित सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। यही वजह है कि भारत क्वॉड जैसे मंचों में सक्रिय है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत की चुनौती यह है कि वह अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखे। रूस के साथ रक्षा संबंध हों या पश्चिम एशिया में संतुलन, भारत किसी एक खेमे में पूरी तरह शामिल होने से बचता रहा है। यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत भी है।

एक चीज और उभर कर आ रही है कि अमेरिका को अब भारत के साथ संबंधों में सिर्फ रणनीतिक भाषा नहीं, बल्कि व्यावहारिक निवेश की भी जरूरत है। अगर वॉशिंगटन वास्तव में चीन का प्रभाव कम करना चाहता है, तो उसे भारत में निर्माण, तकनीक और औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने में गंभीर निवेश करना होगा। केवल भाषणों और समझौतों से बात नहीं बनेगी। देखा जाये तो भारत के भीतर कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अमेरिकी निवेश बड़ा बदलाव ला सकता है। उच्च तकनीक, रक्षा उपकरण निर्माण, डिजिटल डेटा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। एक तो अमेरिका को चीन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी दूसरा भारत को वैश्विक उत्पादन केंद्र बनने का मौका मिलेगा।

लेकिन इस साझेदारी की असली परीक्षा भरोसे पर होगी। अमेरिका का पिछला रिकॉर्ड कई बार अस्थिर रहा है। अफगानिस्तान से अचानक वापसी और बदलती नीतियों ने उसके सहयोगियों को सतर्क किया है। भारत इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठा रहा है। वैसे भी आज की दुनिया में गठबंधन केवल युद्ध लड़ने के लिए नहीं बनते, बल्कि तकनीक, व्यापार, डेटा और सप्लाई चेन पर नियंत्रण के लिए भी बनते हैं। अमेरिका और भारत के रिश्ते अब इसी नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। यह संबंध केवल दो देशों के बीच साझेदारी नहीं, बल्कि एशिया और दुनिया की नई शक्ति संरचना का आधार बन सकता है। मार्को रुबियो की यात्रा इसी बदलती भू-राजनीति का संदेश है। संकेत साफ है कि अमेरिका को अब भारत की जरूरत महसूस हो रही है। और भारत भी यह समझ चुका है कि वैश्विक राजनीति में अब निर्णायक खिलाड़ी बनकर उतरने का समय आ गया है।

इसके अलावा, हाल के घटनाक्रमों ने यह भी साफ कर दिया है कि अमेरिका की चीन नीति उतनी सफल नहीं रही, जितनी ट्रंप प्रशासन उम्मीद कर रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में चीन दौरे पर गए थे, लेकिन वहां उन्हें कोई बड़ी रणनीतिक सफलता हासिल नहीं हुई। व्यापार, तकनीक और भू-राजनीतिक तनाव जैसे मुद्दों पर बीजिंग ने अमेरिकी दबाव के सामने झुकने के संकेत नहीं दिए। विश्लेषकों का मानना है कि इसी के बाद वॉशिंगटन को दोबारा यह एहसास हुआ कि एशिया में चीन का संतुलन केवल भारत के सहयोग से ही संभव है। यही वजह है कि ट्रंप के सुर अब बदले-बदले नजर आ रहे हैं। ट्रंप की चीन यात्रा के तुरंत बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत पहुंचे और उन्होंने भारत को ह्लनेचुरल पार्टनरह्व बताते हुए रिश्तों को नई दिशा देने की बात कही। माना जा रहा है कि ट्रंप ने अपने बेहद करीबी सहयोगियों में गिने जाने वाले भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भारत के साथ रिश्तों को फिर से मजबूत करने की जिम्मेदारी दी है। खुद सर्जियो गोर ने सार्वजनिक रूप से कहा कि ट्रंप भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ संबंधों को बेहद अहम मानते हैं। दरअसल, अमेरिका अब समझ चुका है कि चीन के साथ 'प्रतिस्पर्धा और सहयोग' की उसकी रणनीति सीमित परिणाम दे रही है, जबकि भारत के साथ मजबूत साझेदारी इंडो-पैसिफिक में उसे कहीं अधिक स्थिर और भरोसेमंद आधार दे सकती है।

संभवतः यह भी एक कारण है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने दौरे के दौरान साफ शब्दों में कहा कि भारत अब अमेरिका के 'सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगियों' में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठकों के बाद रुबियो ने संकेत दिए कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर सहमति बन सकती है। रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि यह साझेदारी केवल टैरिफ या व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य टेक्नोलॉजी, निवेश, सप्लाई चेन और सामरिक सुरक्षा में गहरा सहयोग स्थापित करना है। क्वॉड को लेकर भी अमेरिका अब केवल औपचारिक बैठकों से आगे बढ़कर उसे वास्तविक आर्थिक और सामरिक गठबंधन के रूप में विकसित करना चाहता है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स और चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला प्रमुख एजेंडा होंगे। रुबियो के बयानों से यह साफ झलकता है कि वाशिंगटन अब भारत को केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं, बल्कि इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्रीय स्तंभ के रूप में देख रहा है।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संतुलित और दूरदर्शी कूटनीति की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पिछले लगभग एक वर्ष से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत के खिलाफ तीखे बयान, व्यापारिक दबाव और कई असहज संकेत लगातार सामने आते रहे, लेकिन नई दिल्ली ने कभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया या सार्वजनिक बयानबाजी का रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने संयम, धैर्य और रणनीतिक चुप्पी बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। भारत न तो अमेरिकी दबाव के आगे झुका और न ही संबंधों को टकराव की दिशा में जाने दिया। इसकी बजाय सही समय का इंतजार करते हुए भारत ने अपनी आर्थिक ताकत, वैश्विक प्रतिष्ठा और रणनीतिक महत्व को और मजबूत किया। आज स्थिति यह है कि वही अमेरिका, जो कभी भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था, अब रिश्तों को सुधारने और भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताने पर मजबूर है। यह केवल कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वासी भारत की तस्वीर है जिसने दुनिया को दिखा दिया कि मजबूत राष्ट्र शोर से नहीं, बल्कि धैर्य, संतुलन और सही रणनीति से अपनी जगह बनाते हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कि विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

'जिले को बनाएंगे UP का नंबर-1, ढोलक की ब्रांडिंग पर दिया जोर

अमरोहा (सब का सपना):- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में साफ कहा कि अमरोहा को उत्तर प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जनपद बनाना ही हमारा लक्ष्य है। ओडीओपी में शामिल अमरोहा की ढोलक को लेकर डिप्टी सीएम ने कड़े निर्देश दिए। कहा कि "ढोलक निमार्ताओं को प्रशिक्षित किया जाए और इसकी ब्रांडिंग हो। एक अलग नाम रखें ताकि देश-विदेश में अमरोहा की ढोलक की पहचान बने। गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करना है। जिले के मेटल और वुड हैंडीक्राफ्ट को भी ओडीओपी में शामिल किया गया है।

हीट वेव पर अलर्ट, स्वास्थ्य-बिजली विभाग को दी चेतावनी

गर्मी और लू को देखते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा कि विद्युत और स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर रहें। अस्पतालों में हीट वेव के लिए बेड आरक्षित करने, दवा-डफ्र की उपलब्धता, जेनरेटर-सफाई और एंबुलेंस सेवा दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आगे कहा कि आरोग्य मंदिर बंद न हों और सब-सेंटर पर ताला न लगे। बिजली कटौती से जनता को परेशानी न हो।

सीएम आवास योजना के लाभार्थियों को दी चाबी

डिप्टी सीएम ने सीएम आवास योजना के लाभार्थियों को घर की चाबी, सीएम युवा योजना के तहत ऋण स्वीकृति पत्र, ओडीओपी टूल-किट और एक किसान को ट्रैक्टर की चाबी सौंपी। डीएम डॉ. नितिन गौड़ ने उन्हें रामदरबार का स्मृति चिन्ह और ढोलक भेंट की।

समीक्षा बैठक में लिए गए अहम फैसले:

जहां पाइपलाइन बिछ गई है, वहां तुरंत पानी दें। लीकेज ठीक करें। गड्ढामुक्त हों, चौड़ीकरण का काम तेज हो। 99.91% स्कूलों में कायाकल्प पूरा। नामांकन बढ़ाने के लिए अभियान चले। मिड-डे-मील गुणवत्तापूर्ण हो। जर्जर स्कूल भवन दुरुस्त हों। एक भी गौवंश सड़क पर न दिखे। चारा-पानी का पुख्ता इंतजाम हो। बिना हेलमेट बाइक न चले। स्टंटबाजों पर कार्रवाई हो। हाईवे हादसे रोकें।

महिला समूह की स्ट्राबेरी बनेगी ब्रांड

CDO अश्विनी कुमार मिश्र ने बताया कि आजीविका मिशन की दीदियां 90 बीघे में स्ट्राबेरी उगा रही हैं, जिसे 200 बीघे तक ले जाने का लक्ष्य है। जिले की सभी 576 ग्राम पंचायतों में ग्राम सचिवालय और 103 में डिजिटल लाइब्रेरी चल रही हैं। बैठक में प्रभारी मंत्री केपी मलिक, जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, विधायक महेंद्र खड़गवंशी, राजीव तरारा, एसपी लखन सिंह यादव समेत सभी अधिकारी मौजूद रहे।

अंत में परिसर में पौधरोपण किया गया। डीएम डॉ. नितिन गौड़ ने भरोसा दिया कि शासन की हर योजना का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन होगा और डिप्टी सीएम के निदेर्शों का पूरी तरह पालन किया जाएगा।

गजरौला CHC का डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया औचक निरीक्षण

गर्मी में अस्पताल कर्मियों डॉक्टरों को अलर्ट मोड पर रहने के दिए निर्देश

गजरौला, अमरोहा (सब का सपना):- उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को राज्य मंत्री केपी मलिक के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गजरौला का औचक निरीक्षण किया। गर्मी और हीट वेव को देखते हुए उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को पूरी तरह अलर्ट रहने के निर्देश दिए।

इमरजेंसी से लेकर दवा स्टोर तक जांची व्यवस्थाएं

निरीक्षण की शुरूआत पंजीकरण कक्ष से हुई, जहां डिप्टी सीएम ने रोजाना आने वाले मरीजों की संख्या जानी। इसके बाद इमरजेंसी वार्ड में दवाओं की एक्सपायरी, ऑक्सीजन सिलेंडर और इमरजेंसी किट चेक की। एनसीडी क्लीनिक और हेल्थ एटीएम का भी जायजा लिया। हेल्थ एटीएम पर 28 मरीजों का पंजीकरण हुआ था। आयुष्मान कक्ष में अधिकारियों ने बताया कि रोज 50-60 आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। एक फ्रैक्चर मरीज को देखते ही पाठक ने तत्काल एक्स-रे कर इलाज शुरू करने को कहा।

टीबी मरीजों को बांटी पोषण पोटली, आशाओं को किया सम्मानित

डिप्टी सीएम ने टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की। बेहतर काम करने वाली आशाओं को प्रमाण-पत्र दिए और लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड सौंपे। औषधि भंडार कक्ष में दवाओं के रखरखाव और स्टॉक पर संतोष जताया। चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय में उपस्थिति रजिस्टर चेक कर जरूरी निर्देश दिए।

'जरूरी हो तभी निकले घर से बाहर, सिर ढककर रहें' गर्मी को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा, "सभी अस्पताल अलर्ट मोड पर रहें। जिले में हीट वेव के लिए बेड आरक्षित हैं और दवाओं का पर्याप्त इंतजाम है। आशाओं के जरिए गांव-गांव घर-घर डफ्र पहुंचाया जा रहा है।" जनता से अपील की कि बहुत जरूरी होने पर ही बाहर निकलें, सिर ढककर रखें और खूब पानी पिएं। निरीक्षण के दौरान विधायक राजीव तरारा, डीएम डॉ. नितिन गौड़, सीडीओ अश्विनी कुमार मिश्र, सीएमओ डॉ. योगेंद्र सिंह समेत अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने गजरौला की कान्हा गौशाला का किया निरीक्षण

गौपूजन कर अपने हाथों से खिलाया गुड़ और हरा चारा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राज्य मंत्री केपी मलिक के साथ गजरौला स्थित कान्हा गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विधिवत गौ पूजन किया और संरक्षित गौवंश को अपने हाथों से हरा चारा, पशु आहार व गुड़ खिलाया। इस दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि फिलहाल गौशाला में 234 गौवंश संरक्षित हैं। प्राथमिकता के आधार पर नर गौवंश के संरक्षण का काम लगातार जारी है। डिप्टी सीएम ने गौवंश का स्वास्थ्य देखकर संतोष जताया और गौशाला की व्यवस्थाओं, साफ-सफाई व रख-रखाव की जमकर सराहना की।ब्रजेश पाठक ने निर्देश दिए कि नगर पालिका और ग्राम्य विकास विभाग के सहयोग से सभी निराश्रित गौवंश का संरक्षण कराया जाए। ग्रामीणों को प्रेरित किया जाए कि वे अपने गौवंश को निराश्रित न छोड़ें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निदेर्शों के अनुरूप गौवंश संरक्षण का कार्य गंभीरता और समर्पण से चल रहा है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि गौसेवा पुण्य का कार्य है। इसी निष्ठा और जिम्मेदारी से काम करते रहें।

निरीक्षण के दौरान विधायक राजीव तरारा, डीएम डॉ. नितिन गौड़, पूर्व सांसद देवेंद्र नागपाल, चेयरमैन नगर पालिका गजरौला, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, सीडीओ, सीवीओ, पशु चिकित्सा अधिकारी गजरौला और ईओ गजरौला मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जलालपुर कलां में जल जीवन मिशन की पेयजल योजना का किया स्थलीय निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- उप मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु कल्याण मंत्री उ0प्र0 शासन, लखनऊ ब्रजेश पाठक ने राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन, के0पी0मलिक के साथ ग्राम पंचायत जलालपुर कलां, विकास खण्ड गजरौला, जनपद अमरोहा में पेयजल योजना का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के समय अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त योजना के कार्य जल जीवन मिशन फेज-3 के अंतर्गत कराए गए हैं, जो वर्ष 2025 में पूर्ण होकर वर्तमान में ग्रामवासियों को सुचारू रूप से क्लोरीनयुक्त पेयजल आपूर्ति प्रदान की जा रही है। यह भी बताया गया कि योजना सौर ऊर्जा आधारित है, जिसमें 16 किलोवाट क्षमता के सोलर पैनल स्थापित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत 175 किलोलीटर क्षमता एवं 12 मीटर स्टेजिंग की ओवरहेड टैंक (OHT) का निर्माण किया गया है । योजना के तहत 9.321 किमी पाइपलाइन बिछाई गई है तथा 459 घरों में घरेलू पेयजल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री द्वारा ग्राम प्रधान एवं ग्रामवासियों से संवाद किया गया। उन्होंने परियोजनाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया कि जो ओवरहेड टैंक बन रहे उनकी गुणवता बेहतर हो और इसके साथ ही रखरखाव अच्छा रहे। इसके साथ उन्होंने टेक्निकल ऑडिट और थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन की भी जानकारी प्राप्त की। उप मुख्यमंत्री द्वारा जलकल परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा जल संचयन एवं जल संरक्षण हेतु ग्रामवासियों से अपील की गई। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री के०पी० मलिक, विधायक धनौरा राजीव तरारा, जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अधिशासी अभियंता चंद्रहास, कार्यदायी संस्था ओम इंफ्रा लिमिटेड के प्रोजेक्ट हेड सत्येंद्र यादव, सहायक अभियंता, जूनियर इंजीनियर, ग्राम प्रधान एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने नारंगपुर गांव में घर-घर जाकर जनगणना कार्य का लिया जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने सोमवार को अचानक ग्राम नारंगपुर पहुंचकर चल रहे जनगणना कार्य का सघन जायजा लिया। उन्होंने खुद गणनाकताओं के साथ घर-घर जाकर फील्ड में काम की विस्तृत समीक्षा की। डॉ. नितिन गौड़ शाम करीब 5 बजे ग्राम नारंगपुर पहुंचे। वहां उन्होंने गणना टीम के साथ गांव के कई घर जाकर देखा कि जनगणना फॉर्म सही ढंग से भरे जा रहे हैं या नहीं। इस दौरान उन्होंने एक मकान पर जाकर प्रगणक हरजीत सिंह से एचएलओ ऐप पर फॉर्म अपने सामने भरवाकर भी जांच की। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि जनगणना देश का एक अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही या गलती न हो। गणनाकर्ता हर व्यक्ति तक पहुंचकर पूर्ण और सही जानकारी सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी प्रगणक को को सटीकता तथा समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। इस अवसर पर तहसीलदार, खंड शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय दौरे पर गजरौला पहुंचे डिप्टी सीएम ने जुबिलेंट परिसर में किया पौधरोपण

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सोमवार को जुबिलेंट इनग्रेविया परिसर में पौधारोपण किया। पौधारोपण के दौरान उन्होंने जुबिलेंट की वाटिका में पीपल का पौधा लगाया और उसे खाद पानी भी दिया। बता दें कि सोमवार की सुबह लगभग आठ बजे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने जुबिलेंट के गेस्ट हाउस से रवाना होने से पूर्व जुबिलेंट की वाटिका में पीपल का पौधा लगाया। उन्होंने पौधे को खाद एवं पानी भी दिया। इस मौके पर प्रदेश के वन एवं जन्तु कल्याण,पर्यावरण मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री केपी मलिक, पूर्व विधायक हरपाल सिंह, जुबिलेंट के यूनिट हेड विनोद झा, निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित के साथ ही वन विभाग के अधिकारी, भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

गजरौला के खैतान वर्ल्ड स्कूल में आठ दिवसीय समर कैंप का भव्य समापन

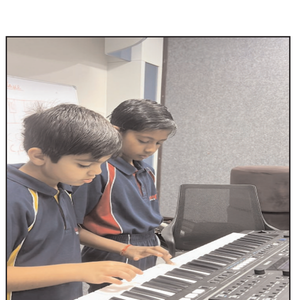

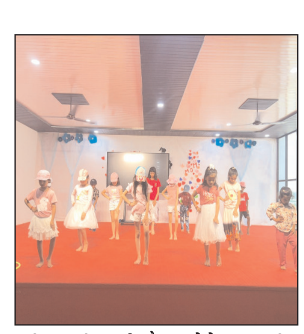

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला स्थित खैतान वर्ल्ड स्कूल में सोमवार को आयोजित आठ दिवसीय समर कैंप का उत्साह एवं उमंग के साथ भव्य समापन हुआ। इस समय कैंप में विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक शैक्षिक एवं मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेकर नई-नई चीजें सीखी और अपने हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। बता दें कि विद्यालय में आयोजित इस समर कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक, आत्मविश्वास, टीमवर्क और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना था। कैंप के दौरान बच्चों ने फुटबॉल ,बास्केटबॉल, वॉटर स्पोर्ट्स ,योग स्केटिंग, शतरंज, टेक क्लब ,पेंटिंग एवं स्केचिंग मैथ, जीनियस क्लब ,पब्लिक स्पीकिंग, ज्वेलरी डिजाइनिंग एवं एंब्रॉयडरी कैलीग्राफी ,ओरिगामी साइंस एक्सपेरिमेंट ,डांस तथा म्यूजिक जैसी अनेक गतिविधियों में भाग लिया। समापन समारोह के दौरान विद्याथीयों ने पूरे कैंप में सीखी गई गतिविधियों की शानदार प्रस्तुतियां दी ।बच्चों ने रंगारंग डांस परफॉर्मेंस म्यूजिकल प्रस्तुतियां तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का उत्साह और ऊर्जा देखने लायक रही तथा उन्होंने पूरे समारोह का भरपूर आनंद लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्य मानसी शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समर कैंप केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व ,विकास, रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचियों को पहचानने, नई चीजें सीखने और जीवन में सदैव सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के चेयरमैन सर्वेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि बच्चों को खेल, कला, संगीत और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से भी सीखने के अवसर मिलने चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई ।यह समर कैंप विद्यार्थियों के लिए सीखने, मनोरंजन और आत्मविश्वास बढ़ाने का एक यादगार अनुभव साबित हुआ।

थाना गजरौला क्षेत्र में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत की गई 05 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना

पुलिस द्वारा नागरिक सहभागिता का किया गया उत्साहवर्धन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना गजरौला क्षेत्र में ह्लऑपरेशन त्रिनेत्रह्व के अंतर्गत कुल 05 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना कराई गई। यह अभियान पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया एवं थाना प्रभारी गजरौला मनोज कुमार के नेतृत्व में प्रभावी रूप से संचालित किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर अपराधों की रोकथाम, कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना तथा किसी भी संभावित आपराधिक घटना को घटित होने से पूर्व ही नियंत्रित करना है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा सकेगी, जिससे असामाजिक तत्वों द्वारा अपराध किए जाने की संभावना न्यूनतम होगी। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी थाना गजरौला पुलिस द्वारा खान-पान के होटलों, प्रमुख तिराहे/चौराहों एवं अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जा चुके हैं, जो अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं । इस सराहनीय पहल के लिए स्थानीय नागरिकों द्वारा पुलिस की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने वाले नागरिकों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया । अंत में आमजन से अपील की गई कि कस्बों एवं ग्रामों के मुख्य चौराहों तथा आवागमन मार्गों पर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराएं, जिससे क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जा सके और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

महिला को खुद आग लगाने के लिए उकसाने वाला प्रेमी गिरफ्तार

प्रेम प्रसंग में रची साजिश, पुलिस ने किया सनसनीखेज मामले का खुलासा, श्यौराज को फंसाने की थी योजना

गुन्नौर/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना गुन्नौर क्षेत्र में महिला की जलकर मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए मृतका के प्रेमी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला को खुद आग लगाने के लिए उकसाया गया था ताकि गांव के ही एक व्यक्ति को झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजा जा सके। जानकारी के अनुसार थाना गुन्नौर पर पीड़ित अमरीश पुत्र छन्नु निवासी गोकलपुर थाना रामघाट जनपद बुलन्दशहर ने 18 मई को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि अभियुक्त श्यौराज पुत्र होतीलाल ने अपने एक अज्ञात साथी के साथ मिलकर उसकी बहन अनेगश्री (36 वर्ष) के घर में घुसकर उसके शरीर और कपड़ों पर तेल डालकर आग लगा दी, जिससे उपचार के दौरान दिल्ली के अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। सोमवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार द्वारा चलाए जा रहे वांछित अभियुक्त गिरफ्तारी अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू के निर्देशन में थाना प्रभारी संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने विवेचना में सामने आए अभियुक्त कल्याण पुत्र रामरतन को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। विवेचना के दौरान पता चला कि मृतका अनेगश्री पत्नी किशनपाल निवासी ग्राम रसूलपुर का गांव के ही कल्याण पुत्र रामरतन से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों के बीच लगातार बातचीत होती थी और कल्याण का मृतका के घर आना-जाना भी था। जांच में यह भी सामने आया कि मृतका अपने मकान का निर्माण करा रही थी, जिसका गांव के श्यौराज द्वारा विरोध किया गया था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद और कहासुनी हुई थी। मृतका ने यह बात अपने प्रेमी कल्याण को बताई, जिसके बाद कल्याण ने बदले की भावना से अनेगश्री को खुद पर डीजल डालकर आग लगाने की सलाह दी और कहा कि इससे श्यौराज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर उसे जेल भिजवा देंगे। पुलिस के अनुसार 18 मई को अनेगश्री ने अपने कपड़ों पर डीजल डालकर आग लगा ली, लेकिन आग अधिक फैलने से वह गंभीर रूप से झुलस गई। पहले उसे अलीगढ़ ले जाया गया और हालत बिगड़ने पर दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसी दिन उसकी मौत हो गई।

तथ्यात्मक जांच में कल्याण की भूमिका सामने आने पर पुलिस ने मुकदमे में धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

किसानों की समस्याओं से जुड़ा ज्ञापन देने जा रहे भाकियू कार्यकताओं को पुलिस ने रोका

संभल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के बैनर तले सोमवार को युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में संगठन के कार्यकताओं ने जनपद संभल पहुंचे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को 8 सूत्रीय मांगपत्र सौंपने का कार्यक्रम बनाया। लेकिन रास्ते में पुलिस द्वारा रोक दिए जाने पर कार्यकताओं ने धरना शुरू कर दिया, जिससे माहौल गरमा गया।

जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने बताया कि संगठन किसानों की जमीनी समस्याओं को उपमुख्यमंत्री तक पहुंचाना चाहता था। प्रधानमंत्री की अपील का पालन करते हुए संगठन के दर्जनों कार्यकर्ता बैटरी ई-रिक्शा के माध्यम से हिसामपुर से संभल के लिए रवाना हुए थे। आरोप है कि चौकी प्रभारी हिसामपुर अरुण कुमार एवं क्राइम निरीक्षक नखासा सत्य विजय सिंह ने भारी पुलिस बल के साथ बैरिकेडिंग लगाकर कार्यकताओं को बीच रास्ते में रोक लिया। पुलिस अधिकारियों ने कार्यकताओं से वहीं ज्ञापन देने की बात कही और आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। इस दौरान किसानों ने सरकार की योजनाओं का लाभ पात्रों तक न पहुंचने, खाद-बीज की कालाबाजारी, अघोषित बिजली कटौती, जल जीवन मिशन के कार्यों से टूटी सड़कों तथा जनपद में व्याप्त भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को लेकर नाराजगी जताई। पुलिस द्वारा रोके जाने से नाराज कार्यकर्ता सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर उप जिलाधिकारी संभल निधि पटेल एवं नायब तहसीलदार अरविंद कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने कार्यकताओं से वार्ता कर उनकी समस्याएं सुनीं और ज्ञापन स्वीकार करने का प्रस्ताव रखा। करीब तीन घंटे तक चले गतिरोध के बाद प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन पर कार्यकताओं ने अपना धरना समाप्त किया और 8 सूत्रीय मांगपत्र उप जिलाधिकारी के माध्यम से सौंप दिया। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने कहा कि पुलिस ने उपमुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के लोकतांत्रिक अधिकार का हनन किया है। वहीं जिला उपाध्यक्ष मिंकू चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो जिला स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, जिला सलाहकार सरदार गुरु वचन सिंह, जिला मंत्री खेमपाल यादव, इस्माइल खां, संतवीर सिंह, सुफियान पाशा, मेहंदी हसन, राजीव कुमार, मोहम्मद हसन, सिद्धार्थ शर्मा, गणेश कुमार, कृष्णा सारस्वत, श्रीपाल यादव, फरमान अली, रिजवान मलिक, अनवर अली, फिरासत अली, ज्ञानचंद कश्यप, महिला मोर्चा की ननिहा देवी एवं सोनी शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वर्गीय सुभाष चंद्र गांधी की पुण्यतिथि पर हुआ यज्ञ व शरबत वितरण

बबराला/संभल(सब का सपना):- जनपद के बबराला नगर में शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाले स्वर्गीय सुभाष चंद्र गांधी की प्रथम पुण्यतिथि पर सोमवार को परिवारजनों एवं मोहल्लावासियों द्वारा वैदिक यज्ञ (हवन) एवं शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए दशहरा पर्व पर गंगास्नान के लिए जा रहे श्रद्धालुओं को मीठा और ठंडा शरबत पिलाकर सेवा कार्य किया गया। स्वर्गीय सुभाष चंद्र गांधी ने बबराला क्षेत्र में आर्य ज्ञान मंदिर और आर्य महिला सिलाई कढ़ाई सेंटर की स्थापना कर शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उनकी स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर श्रद्धांजलि अर्पित की। पुत्र एवं समाजसेवी नवनीत गांधी ने बताया कि उनके पिता ने अपने व्यक्तिगत खर्च से कई धर्मशालाओं, स्कूलों और मंदिरों में कमरों का निर्माण कराया था। इसके अलावा सामाजिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आर्थिक सहयोग देकर हमेशा समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि माता-पिता से मिली प्रेरणा के चलते पूरा परिवार मानव हित के कार्यों में लगातार सक्रिय रहता है और समाज सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म मानता है। यज्ञ के ब्रह्मा योग मुनि महाराज तिलक मुनि आर्य ने कहा कि स्वर्गीय सुभाष चंद्र गांधी भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपराओं के सच्चे अनुयायी थे। उन्होंने जीवनभर सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश दिया। उनके अंदर कभी भी ऊंच-नीच या जातिगत भेदभाव की भावना नहीं रही और वे सभी को समान सम्मान देते थे। इस अवसर पर सभासद ललित यादव, जयप्रकाश ठेकेदार, हरीशंकर वार्ष्णेय, गोपीचंद वार्ष्णेय, जिलाल टेलर, टिंकू सागर, अजय वार्ष्णेय सहित मोहल्ले के अनेक लोग मौजूद रहे।

गंगा दशहरा को लेकर डीएम-एसपी ने राजघाट बबराला का किया निरीक्षण

बबराला/सम्भल(सब का सपना):- गंगा दशहरा पर्व के दृष्टिगत सोमवार को जिलाधिकारी सम्भल अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार ने राजघाट बबराला पहुंचकर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने घाट क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा इंतजामों तथा यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं पुलिस कर्मियों को पर्व को शांतिपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने घाटों पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, गोताखोरों की तैनाती तथा भीड़ नियंत्रण व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने कहा कि गंगा दशहरा पर्व पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, इसलिए सभी व्यवस्थाएं समय रहते दुरुस्त रखी जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

वहीं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए रखने तथा यातायात संचालन सुचारु रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्व को सकुशल सम्पन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

जिलाधिकारी आवास पर हुआ मकान गणना कार्य, घर घर सर्वे अभियान में प्रगणक और सुपरवाइजर जुटे

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत प्रदेशभर में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य शुरू हो चुका है। अभियान के तहत प्रगणक एवं सुपरवाइजर घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण और गणना कर रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को रेलवे स्टेशन रोड स्थित जिलाधिकारी आवास पर प्रगणक ब्रजलाल, प्रवक्ता बहजोई इंटर कॉलेज बहजोई एवं जिला प्रभारी जनगणना अनिल कुमार मौर्य द्वारा मकान गणना का कार्य सम्पन्न कराया गया। इस दौरान जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल ने जनगणना से संबंधित आवश्यक जानकारियां उपलब्ध कराईं तथा गणना प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की। जनपद सम्भल में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के सफल संचालन के लिए कुल 4080 प्रगणक एवं 680 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। ये सभी कर्मचारी 22 मई से 20 जून तक घर-घर जाकर सूचनाएं एकत्रित करेंगे। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि जनगणना के दौरान पूछे जाने वाले 33 प्रश्नों के सही एवं सटीक उत्तर उपलब्ध कराएं, क्योंकि इन्हीं आंकड़ों के आधार पर भारत सरकार विभिन्न योजनाओं और नीतियों की रूपरेखा तैयार करती है। साथ ही नागरिकों से यह भी अपेक्षा की गई है कि वे प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें, ताकि यह महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य सुचारु, पारदर्शी एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हो।

भीषण गर्मी में लाडम सराय में समाजसेवियों ने राहगीरों को पिलाया ठंडा शरबत

सम्भल(सब का सपना):- भीषण गर्मी और तेज धूप से परेशान राहगीरों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से मोहल्ला लाडम सराय में समाजसेवियों द्वारा शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सड़क से गुजर रहे राहगीरों, रिक्शा चालकों, मजदूरों और अन्य लोगों को ठंडा शरबत पिलाया गया। आयोजक मु. इरशाद और शाकिर तरीन ने बताया कि लगातार बढ़ रही गर्मी को देखते हुए लोगों की सेवा के लिए यह पहल की गई है, ताकि राह चलते लोगों को कुछ राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है और आगे भी इस प्रकार के सामाजिक कार्य जारी रखे जाएंगे।

समाजसेवियों ने कहा कि गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों और राहगीरों की मदद करना पुण्य का कार्य है। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को समाज सेवा के प्रति जागरूक भी किया गया। तेज धूप और उमस भरी गर्मी में ठंडा शरबत पाकर राहगीरों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी।

लोगों ने समाजसेवियों के इस सराहनीय कदम की प्रशंसा करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। इस दौरान कई स्थानीय लोग एवं समाजसेवी मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने विकास कार्यों और स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

असमोली सचिवालय, जिला अस्पताल, यमघण्ट तीर्थ और सिंदूर वाटिका का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं चिकित्सा शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बृजेश पाठक का सोमवार को जनपद संभल भ्रमण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों, स्वास्थ्य सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का निरीक्षण किया। कार्यक्रम की शुरूआत ग्राम पंचायत सचिवालय असमोली से हुई, जहां उपमुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद उन्होंने डॉ. भीमराव राम अंबेडकर ग्राम पंचायत सचिवालय और पुस्तकालय का निरीक्षण किया। उन्होंने पुस्तकालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया तथा बेहतर प्रकाश व्यवस्था और सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्राथमिक विद्यालय असमोली में आयोजित विभिन्न विभागों की योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी एवं स्टॉलों का भी उन्होंने अवलोकन किया। आंगनबाड़ी केंद्र असमोली-2 में बच्चों से बातचीत कर फल वितरित किए तथा गोद भराई और अन्नप्राशन कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। उपमुख्यमंत्री ने दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अंतर्गत तीन लाभार्थियों को ट्राईसाइकिल वितरित कीं। वहीं कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत किसान कमलवीर को ट्रैक्टर की चाबी और मक्का सुखाने वाली मशीन के लिए 12 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। इसके अलावा स्वयं सहायता समूहों को करोड़ों रुपये की धनराशि के चेक वितरित किए गए तथा मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को चाबियां सौंपी गईं। उन्होंने कहा कि संभल जनपद सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और यहां विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। साथ ही भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों से सावधानी बरतने और अत्यधिक जरूरत होने पर ही घर से बाहर निकलने की अपील की। भ्रमण के दौरान उपमुख्यमंत्री ने संयुक्त जिला चिकित्सालय संभल का निरीक्षण कर मरीजों से बातचीत की और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई, दवा वितरण व्यवस्था और अग्निशमन उपकरणों की जांच करते हुए अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने प्राचीन यमघण्ट तीर्थ में वंदन योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा संभल नगर स्थित सिंदूर वाटिका पहुंचकर सैन्य मॉडलों और वेस्ट टू वंडर स्कल्पचर्स का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, भाजपा जिला अध्यक्ष हरेंद्र सिंह रिंकू सहित कई अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

भाकियू (बीआर अंबेडकर)के कार्यकताओं ने डिप्टी सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को भारतीय किसान यूनियन बी आर अंबेडकर के कार्यकताओं ने डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के नाम एक ज्ञापन गजरौला उप निरीक्षक को सौंपा। जिसमें उन्होंने जनपद के किसानों से संबंधित समस्याओं पर कार्यवाही करने की मांग उठाई है। बता दें कि इस ज्ञापन को संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष रिहान सैफी के नेतृत्व में सौंपा गया।

जिसमें उन्होंने क्षेत्र के किसानों की प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए उन पर कार्यवाही करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों की अव्यवस्थाएं,जर्जर सड़के और बिजली व्यवस्था में शीघ्र सुधार किया जाए। संगठन के कार्यकताओं ने इन सभी समस्याओं के शीघ्र समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया है। इस पर गजरौला के वरिष्ठ उप निरीक्षक ने संगठन के पदाधिकारियों को उनके ज्ञापन को शीघ्र उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। वहीं इस मौके पर संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष रिहान सैफी ,मीडिया प्रभारी मंथन प्रधान ,मोहित गुर्जर ,चिराग वर्मा, प्रबल शर्मा ,बलवंत जाटव और अंकित जाटव सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्योहारा में जैन समाज का प्रदर्शन, आर्यिकाओं की मौत पर जताया रोष राष्ट्रपति

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन थाना प्रभारी को सौंपा, दोषियों की गिरफ्तारी और मुनियों की सुरक्षा व्यवस्था की उठाई मांग

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):– दिगंबर जैन मंदिर समिति स्योहारा में सोमवार को जैन समाज ने रीवा में हुई दो आर्यिकाओं की दर्दनाक मृत्यु को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। श्री दिगंबर जैन मंदिर समिति स्योहारा के पदाधिकारियों और समाज के लोगों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन थाना प्रभारी संजय सिंह को सौंपते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जैन समाज के लोगों ने बताया कि आर्यका श्री 105 श्रुतिमति माताजी और आर्यका श्री 105 उपशम्मती माताजी रीवा क्षेत्र में विहाररत थीं। सोमवार सुबह दोनों आर्यिकाएं अपनी दैनिक क्रिया के लिए निकली थीं, तभी एक तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही जैन समाज में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई। ज्ञापन में जैन समाज ने इस घटना को अत्यंत दुखद और गंभीर बताते हुए कहा कि देशभर में विहार कर रहे जैन मुनि और आर्यिकाएं अत्यंत सादगीपूर्ण एवं पैदल जीवन व्यतीत करते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। समाज के लोगों ने आरोप लगाया कि लापरवाही और असावधानी के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि घटना के जिम्मेदार वाहन चालक और संबंधित दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। जैन समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन से यह भी मांग की कि देशभर में विहाररत मुनियों और आर्यिकाओं की सुरक्षा के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि जहां-जहां मुनियों और आर्यिकाओं का विहार हो, वहां स्थानीय प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। ज्ञापन कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने दिवंगत आर्यिकाओं को श्रद्धांजलि भी अर्पित की और घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंदिर समिति अध्यक्ष शोभित जैन, अशोक जैन, दीपक जैन, ऋषभ जैन, मनीष जैन, शरद जैन डब्बू, अरविंद कुमार जैन, संजीव कुमार जैन उर्फ दीपू, अमित जैन, पीयूष जैन, संजय जैन, आकाश जैन, निशांत जैन, संभव जैन, हिमांशु जैन, अनंत जैन, शोवीर तथा तुंगल सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। ज्ञापन का वाचन संजीव कुमार उर्फ दीपू ने किया।

थाना प्रभारी संजय सिंह ने ज्ञापन स्वीकार करते हुए जैन समाज को आश्वस्त किया कि मुनियों और आर्यिकाओं के आगमन की सूचना मिलने पर प्रशासन की ओर से पूरी सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि समाज की भावनाओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा।

पति की मौत के बाद न्याय के लिए भटक रही विधवा, दो बच्चों संग पहुंची प्रशासन के दरबार

दुकान पर जबरन कब्जे का आरोप, धामपुर एसडीएम से लगाई गुहार

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):– जनपद के धामपुर में पति की मौत के बाद आर्थिक संकट से जूझ रही एक बेबस विधवा महिला अपने दो छोटे बच्चों के साथ न्याय की आस लेकर प्रशासन के दरवाजे पहुंची। महिला ने उपजिलाधिकारी धामपुर को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि उसकी दुकान पर जबरन कब्जा कर लिया गया है और अब उसी दुकान पर उसका परिवार आश्रित है। मामला धामपुर क्षेत्र के मोहल्ला क्षत्रियानगर का है, जहां निवासी प्रियंका राजपूत ने प्रशासन को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनके पति देवाशीष ठाकुर का कुछ समय पूर्व निधन हो चुका है। पति की मौत के बाद परिवार पर आर्थिक संकट गहरा गया है और अब दोनों छोटे बच्चों के पालन-पोषण की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर आ गई है। पीड़िता का आरोप है कि अमिष मित्तल नामक व्यक्ति ने उनके पति से दुकान किराये पर ली थी, लेकिन अब वह दुकान खाली नहीं कर रहा है और कथित रूप से जबरन कब्जा जमाए बैठा है। महिला का कहना है कि आरोपी वर्तमान में दुकान में ऑप्टिकल का कारोबार चला रहा है और अब उस दुकान का जबरन बैनामा कराने का दबाव भी बना रहा है। प्रियंका राजपूत ने आरोप लगाया कि लगातार मानसिक दबाव, धमकियों और विवाद की स्थिति के कारण वह बेहद परेशान हैं। उन्होंने कहा कि पति के निधन के बाद परिवार पहले ही टूट चुका है और अब दुकान पर कब्जे के कारण बच्चों का भविष्य भी संकट में पड़ता जा रहा है। महिला ने प्रशासन को बताया कि वह दुकान वापस लेकर स्वयं कोई छोटा रोजगार शुरू करना चाहती हैं, ताकि अपने दोनों मासूम बच्चों का पालन-पोषण कर सकें और परिवार को सहारा मिल सके। लेकिन आरोपी कब्जा छोड़ने को तैयार नहीं है। उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंची महिला की आंखों में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता साफ दिखाई दी। पीड़िता ने प्रशासन से दुकान को कब्जामुक्त कराने तथा आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों में भी चर्चा का माहौल है। लोगों का कहना है कि पति की मौत के बाद एक महिला का इस तरह संघर्ष करना बेहद दुखद है

और प्रशासन को मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने महिला को मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब पीड़ित परिवार की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

पत्रकारिता दिवस पर फिर चलेगा मानवता सेवा अभियान

प्रेस क्लब स्योहारा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को वितरित करेगा शीतल पेयजल

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):– जनपद के स्योहारा में भीषण गर्मी के बीच मानवता सेवा की मिसाल पेश करते हुए प्रेस क्लब स्योहारा एक बार फिर जरूरतमंद और प्यासे यात्रियों की सेवा के लिए आगे आया है। आगामी 30 मई 2026 को ह्लपत्रकारिता दिवसह्व के अवसर पर प्रेस क्लब द्वारा स्योहारा रेलवे स्टेशन परिसर में शीतल पेयजल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रेस क्लब स्योहारा के अध्यक्ष शारिक जैदी ने जानकारी देते हुए बताया कि इससे पूर्व 24 मई 2026 को प्रेस क्लब के बैनर तले रेलवे स्टेशन पर भीषण गर्मी और कड़कड़ाती धूप में सफर कर रहे यात्रियों को ठंडे पानी की बोतलें वितरित कर उनकी प्यास बुझाने का अभियान चलाया गया था। इस सेवा कार्य को सामाजिक लोगों, पत्रकार साथियों और नगरवासियों का भरपूर सहयोग और स्नेह प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि उसी सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए पत्रकारिता दिवस को इस बार केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित न रखकर ह्लजन सेवा दिवसह्व के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य भीषण गर्मी में सफर कर रहे यात्रियों को राहत पहुंचाना और समाज में सेवा तथा संवेदनशीलता का संदेश देना है। प्रेस क्लब की ओर से सभी पत्रकार बंधुओं, सामाजिक कार्यकताओं और सहयोगी नागरिकों से इस अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की गई है। आयोजकों का कहना है कि गर्मी के इस कठिन मौसम में यात्रियों को राहत पहुंचाना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। अध्यक्ष शारिक जैदी ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचारों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशील दायित्व निभाना भी पत्रकारों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर रेलवे स्टेशन परिसर में तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं। प्रेस क्लब के पदाधिकारी और सदस्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। हालांकि आयोजकों ने यह भी स्पष्ट किया है कि मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए कार्यक्रम में आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है। नगर के सामाजिक और पत्रकारिता जगत में इस पहल की सराहना की जा रही है। लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत पहुंचाने जैसा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है और इससे सेवा भावना को बढ़ावा मिलता है।

स्वदेशी जागरण मंच का जिला विचार एवं प्रशिक्षण वर्ग आयोजित

ब्लॉक स्तर तक संगठन विस्तार के लिए नए दायित्व घोषित

बिजनौर (सब का सपना):– स्वदेशी जागरण मंच जिला बिजनौर द्वारा रविवार को आर्य समाज बिजनौर में ह्लजिला विचार एवं प्रशिक्षण वर्गह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वदेशी अर्थव्यवस्था, स्वावलंबन और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को लेकर कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया गया तथा संगठन को ब्लॉक स्तर तक मजबूत करने के उद्देश्य से नए दायित्वों की घोषणा की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्र सह संयोजक कपिल नारंग उपस्थित रहे। उनके साथ प्रांत संयोजक प्रशांत महर्षि तथा सह प्रांत संयोजक सुधांशु विश्नोई ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर संघचालक विकास ने की, जबकि संचालन जिला संयोजक अजय वत्स द्वारा किया गया। अपने संबोधन में कपिल नारंग ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी आंदोलन समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा कि उत्पादन, वितरण और उपभोग – तीनों स्तरों पर स्वदेशी को अपनाकर ही देश आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सकता है। उन्होंने दत्तोपंत ठेंगड़ी के विचारों को व्यवहार में उतारने का आह्वान भी किया। प्रांत संयोजक प्रशांत महर्षि ने स्वावलंबी भारत अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन का उद्देश्य प्रत्येक जिले में उद्यमिता को बढ़ावा देना और ऐसे राष्ट्रवादी कार्यकताओं का निर्माण करना है जो समाज में स्वदेशी की अलख जगा सकें। इस दौरान बिजनौर जिले में संगठन विस्तार के लिए कई नए दायित्व भी घोषित किए गए।

घोषित दायित्वों में अमित गर्ग को जिला व्यापारी प्रमुख, अमित राजपूत को जिला युवा प्रमुख बनाया गया। इसके अलावा ब्लॉक स्तर पर भी नियुक्तियां घोषित की गईं– नूरपुर ब्लॉक में पवन अग्रवाल को संयोजक तथा कपिल चौहान को सह संयोजक बनाया गया। नहटौर ब्लॉक में टीकम सिंह चौहान को संयोजक और आशुतोष को सह संयोजक नियुक्त किया गया। हल्दौर ब्लॉक में नितिन राणा को संयोजक तथा तुषार गोस्वामी को सह संयोजक बनाया गया। किरतपुर ब्लॉक में आलोक रस्तोगी को संयोजक घोषित किया गया। सह प्रांत संयोजक सुधांशु विश्नोई ने अपने संबोधन में कहा कि स्वदेशी केवल वस्तुओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, सोच और जीवन शैली से जुड़ा व्यापक विचार है। उन्होंने युवाओं से विदेशी कंपनियों के प्रभाव से बाहर निकलकर स्थानीय उत्पादों और स्वदेशी स्टार्टअप को बढ़ावा देने का आह्वान किया। बैठक में आगामी तीन माह की कार्ययोजना भी तय की गई। इसके अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस, विश्व योग दिवस, बाजार संपर्क अभियान, विद्यालयों में स्वदेशी गोष्ठियां तथा उद्यमी सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकताओं ने स्वदेशी को अपने जीवन में अपनाने, जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्रहित में ऊर्जा संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सतीश त्यागी, कौशल शर्मा, रीता शर्मा तथा दीपक अरोड़ा सहित अनेक कार्यकताओं का सहयोग रहा।

इस अवसर पर जितेंद्र चौधरी, राजकुमार गोयल, योगेंद्र पाल योगी, विनय तितोरिया, नवीन धारीवाल, सुधा राठी, नीतू अग्रवाल, बीआर पाल, ओमप्रकाश कौशल, राजेश अरोड़ा, हरवीर सिंह, मोहित राजपूत, विवेक नारायण, संजय शर्मा, युवराज सिंह, अर्पण चौधरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं सामाजिक लोग उपस्थित रहे।

मेहनत और लगन से मिली बड़ी उपलब्धि, आरजू प्रजापति बनीं डिप्टी मैनेजर

बैंकिंग क्षेत्र में पदोन्नति से धामपुर का नाम हुआ गौरवान्वित

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):– नगर के मौहल्ला पहाड़ी दरवाजा निवासी आरजू प्रजापति ने अपने परिश्रम, अनुशासन और कार्यकुशलता के बल पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कोटक महिन्द्रा बैंक की नोएडा शाखा में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत आरजू प्रजापति को पदोन्नति देकर डिप्टी मैनेजर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी इस उपलब्धि की खबर मिलते ही परिवार, मित्रों और नगरवासियों में हर्ष का माहौल छा गया। लोग इसे न सिर्फ व्यक्तिगत सफलता बल्कि पूरे नगर के लिए गर्व का क्षण बता रहे हैं। आरजू प्रजापति, वरिष्ठ पत्रकार दिनेश कुमार प्रजापति की पुत्री हैं, जो विभिन्न समाचार माध्यमों से जुड़े रहे हैं। चार भाई-बहनों में आरजू ने अपनी मेहनत और अनुशासन के दम पर अलग पहचान बनाई है। बैंकिंग क्षेत्र में उनके कार्य प्रदर्शन, ईमानदारी और जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार को देखते हुए अधिकारियों ने उन्हें यह महत्वपूर्ण पदोन्नति प्रदान की। स्थानीय लोगों का कहना है कि आरजू ने यह साबित किया है कि छोटे नगरों की बेटियां भी बड़े संस्थानों में अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर ऊँचाइयों तक पहुंच सकती हैं। उनकी सफलता को धामपुर की अन्य युवतियों के लिए प्रेरणास्त्रोत माना जा रहा है।

पदोन्नति की सूचना के बाद उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया। रिश्तेदारों, मित्रों, पत्रकारों और सामाजिक लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पूरा परिवार इस उपलब्धि से गौरवान्वित महसूस कर रहा है और क्षेत्र में खुशी का वातावरण बना हुआ है।

पंकज कुमार दक्ष और रवि प्रजापति का हुआ जोरदार स्वागत

समाज हित में मिलकर कार्य करने का लिया संकल्प

कोतवाली देहात/बिजनौर (सब का सपना):– राष्ट्रीय प्रजापति महासभा रजिस्टर्ड बिजनौर के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष पंकज कुमार दक्ष एवं नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष रवि प्रजापति का आपसी स्वागत कार्यक्रम बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दोनों पदाधिकारियों ने एक-दूसरे का फूलमाला, पटका एवं मिठाई खिलाकर सम्मान किया तथा समाज हित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। जानकारी के अनुसार नवनियुक्त जिलाध्यक्ष पंकज कुमार दक्ष, प्रदेश उपाध्यक्ष रवि प्रजापति के कैम्प कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने फूलमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद रवि प्रजापति ने भी पंकज कुमार दक्ष को पटका पहनाकर सम्मानित किया और संगठन को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने की बात कही।

इस अवसर पर पंकज कुमार दक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय प्रजापति महासभा समाज के लोगों को संगठित कर उनके अधिकारों की आवाज बुलंद करने का कार्य करेगी। समाज के युवाओं, महिलाओं एवं जरूरतमंद लोगों को न्याय दिलाने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए संगठन निरंतर प्रयास करेगा।

वहीं प्रदेश उपाध्यक्ष रवि प्रजापति ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य समाज में एकता स्थापित करना, शिक्षा को बढ़ावा देना तथा समाज के लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि महासभा गांव-गांव तक संगठन को मजबूत करने का कार्य करेगी।

कार्यक्रम के दौरान सोनू उर्फ जितेंद्र कश्यप, आयुष सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

695 हैडपम्पों में 22 मिले खराब, सब्जी मंडी में बदबू व गंदगी का अंबार मिलने पर एडीएम ने जताई नाराजगी

बिजनौर (सब का सपना):– ईद से पहले बिजनौर प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में दिखाई दिया। सोमवार को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित ने नगर पालिका परिषद बिजनौर क्षेत्र का औचक निरीक्षण कर साफ-सफाई, नालों की सफाई, पेयजल, फॉगिंग और जल निकासी व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत देखी। निरीक्षण के दौरान कई जगह अव्यवस्थाएं मिलने पर अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए। सबसे ज्यादा नाराजगी एडीएम ने उन स्थानों पर जताई, जहां नालों से निकाली गई सिल्ट और कूड़ा सड़क किनारे पड़ा मिला। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि त्योहारों के दौरान शहर की तस्वीर खराब नहीं दिखनी चाहिए और किसी भी हाल में सड़क किनारे गंदगी जमा नहीं रहने दी जाएगी।

निरीक्षण के दौरान एडीएम अंशिका दीक्षित का रुख बेहद सख्त नजर आया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गंगा दशहरा और बकरीद के दौरान हजारों लोगों की आवाजाही रहती है, ऐसे में साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था में जरा भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि शहर के 23 बड़े नालों की सफाई का अभियान चल रहा है और इसे 30 जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि कई स्थानों पर नालों से निकाली गई गाद और कूड़ा खुले में पड़ा मिला, जिस पर एडीएम ने तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिये मानसून नजदीक होने के कारण प्रशासन अब जलभराव वाले इलाकों को लेकर भी सतर्क हो गया है। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने अधिकारियों को ऐसे स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए जहां हर साल बारिश में पानी भर जाता है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वहां पंप लगाने की व्यवस्था पहले से तैयार रखी जाए ताकि लोगों को परेशानी न झेलनी पड़े। वार्ड संख्या 19 पामर गंज स्थित सब्जी मंडी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान कूड़े के ढेर मिले। आसपास फैली गंदगी और बदबू देखकर एडीएम ने नाराजगी जताई और मौके पर मौजूद अधिकारियों को तत्काल सफाई कराने के आदेश दिए। इसके अलावा वार्ड संख्या 09 सिविल लाइंस और वार्ड संख्या 29 बाजार शामा क्षेत्र में सफाई कार्य चलता मिला। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सिर्फ दिखावे के लिए नहीं, बल्कि लगातार और प्रभावी सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। एडीएम ने निर्देश दिए कि किसी भी वार्ड में फॉगिंग और कीटनाशक छिड़काव में लापरवाही नहीं होनी चाहिए, क्योंकि त्योहारों के दौरान बीमारी फैलने की आशंका अधिक रहती है। निरीक्षण के दौरान शहर में लगे वाटर कूलर और हैंडपंपों की भी जांच की गई। अधिकारियों ने बताया कि नगर क्षेत्र में कुल 81 वाटर कूलर और 695 हैंडपंप स्थापित हैं, जिनमें से 22 हैंडपंप खराब पाए गए। यह जानकारी मिलते ही एडीएम ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और तीन दिन के भीतर सभी खराब हैंडपंपों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी और त्योहारों के बीच लोगों को पेयजल संकट का सामना नहीं करना चाहिए। एडीएम ने आरओ, अर्थिंग और पानी की गुणवत्ता जांचने के निर्देश दिए उन्होंने टूटी और खराब पाइप लाइनों को प्राथमिकता के आधार पर ठीक कराने के निर्देश देते हुए कहा कि लोगों को शुद्ध और ठंडा पानी उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

बिजनौर में सफाई कर्मियों को स्थायी करने की मांग तेज

बिजनौर (सब का सपना):– वाल्मीकि समाज एवं सामाजिक संगठनों ने ठेका और संविदा पर कार्यरत सफाई कर्मचारियों को स्थायी किए जाने की मांग को लेकर विशाल, पवन, कुनाल वाल्मीकि, राजकुमार, कृष्ण वाल्मीकि मगन कुमार, राजन वाल्मीकि की अगुवाई में मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र सौंपा। ज्ञापन में कहा गया कि वर्ष 2014 से लेकर अब तक उत्तर प्रदेश के सफाई कर्मचारियों को सरकार की ओर से अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाए हैं, जिसके कारण समाज आर्थिक और सामाजिक परेशानियों से जूझ रहा है। प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया गया कि बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं तथा अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। संगठन पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की कि प्रदेश के सफाई कर्मियों के उत्पीड़न और शोषण को समाप्त करते हुए उन्हें नियमित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं। ज्ञापन में बिजनौर जनपद की 12 नगर पालिकाओं और 6 नगर पंचायतों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का भी जिक्र किया गया। वक्ताओं ने कहा कि यदि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सफाई कर्मचारियों को नियमित करने अथवा वेतन संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वाल्मीकि समाज प्रदेश सरकार के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होगा।

इस दौरान सामाजिक संगठन एवं ट्रेड यूनियन से जुड़े पदाधिकारी और जनपद की सभी पालिकाओं व नगर पंचायत में कार्यरत सफाई कर्मी बडी. संख्या में मौजूद रहे।

ग्रा.प.ए. के संस्थापक की पुण्यतिथि धूमधाम मनाई जाएगी जिलाध्यक्ष ठा विजय राघव

बुलंदशहर (सब का सपना):- ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के संस्थापक स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल की 39वीं पुण्यतिथि 27 मई को ग्रामीण पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाई जाएगी। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन जनपद बुलंदशहर के जिलाध्यक्ष ठा. विजय राघव ने बताया कि स्वर्गीय बाबू बालेश्वर लाल केवल संगठन के संस्थापक ही नहीं, बल्कि ग्रामीण पत्रकार के पथ-प्रदर्शक और ग्रामीण पत्रकारों को पहचान दिलाने का कार्य किया, उनकी पुण्यतिथि पर पत्रकारिता के मूल्य और संगठन के प्रति संकल्प को दोहराने का अवसर है, संगठन के वरिष्ठ महामंत्री सुरेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि जिला कार्यालय पर 27 मई को श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर संस्थापक को नमन किया जाएगा,जिसमें संगठन के जनपद कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी और समस्त तहसीलों के पदाधिकारी शामिल रहेंगे।

श्री श्याम मित्र मंडल ने ईएनटी चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र कुमार के निधन पर जताया शोक

बुलन्दशहर (सब का सपना):- श्री श्याम मित्र मंडल साठा बुलंदशहर की ओर से भूतेश्वर मंदिर प्रांगण में नगर के प्रतिष्ठित ईएनटी चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र कुमार के निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। सभा में उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मीडिया प्रभारी सौरभ गोयल ने कहा कि डॉ. वीरेंद्र कुमार का निधन समाज के लिए अपूर्णनीय क्षति है। उन्होंने गरीब-अमीर का भेदभाव किए बिना हर मरीज का समर्पण भाव से उपचार किया। श्रद्धांजलि सभा में संजीव वाल्मीकि, नीरज अग्रवाल, लक्ष्मण गिरि, अब्दुल बशर, राजेंद्र पाल, अमित सिंघल, बीजेन्दर सिंह, अनिल गर्ग, राधेश्याम अग्रवाल, अशोक गिरी, ओमप्रकाश वर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

खुर्जा देहात थाना यार्ड में भीषण आग, कई जब्त वाहन जलकर राख

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- जीटी रोड स्थित खुर्जा देहात थाना परिसर के यार्ड में रविवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर कई जब्त वाहन जलकर राख हो गए, जिससे थाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बताया गया कि यार्ड में एक्सीडेंट और मुकदमों से संबंधित जब्त वाहन खड़े थे। इसी दौरान बिजली का तार टूटकर वाहनों पर गिर गया, जिससे आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

गौ-रक्षा और भाईचारे को लेकर मुस्लिम समाज ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- मुस्लिम समाज के लोगों ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर गौ-माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने, देशभर में गौ-वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा मॉब लिंचिंग और फर्जी गौ-रक्षकों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बेसहारा गौवंश के संरक्षण और आपसी भाईचारा व गंगा-जमुनी तहजीब को बढ़ावा देने की भी अपील की गई।

नरोरा गंगा घाट पहुंचे सांसद, किया गंगा स्नान

नरोरा/बुलंदशहर (सब का सपना):- गंगा दशहरा पर्व के अवसर पर बुलंदशहर संसदीय क्षेत्र के नरोरा गंगा घाट पर सांसद भोला सिंह ने पवित्र गंगा स्नान कर गंगा मैया का पूजन-अर्चन किया। इस दौरान उन्होंने गंगा मैया को दूध अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की। सांसद भोला सिंह ने कार्यक्रम के दौरान परम पूज्य श्रद्धेय स्वर्गीय कल्याण सिंह के स्मृति स्थल पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की और श्रद्धा सुमन चढ़ाए।

इसके उपरांत सांसद ने गंगा समिति कसेर कला द्वारा आयोजित भंडारे का शुभारंभ किया। उन्होंने श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया तथा स्वयं भी प्रसाद ग्रहण किया।

सांसद भोला सिंह ने कहा कि, आस्था, सेवा और संस्कार हमारे जीवन की सबसे बड़ी प्रेरणा हैं।

प्रदेश का माहौल बिगाड़ने वालों पर हो सख्त कार्रवाई

संजय भाटी के बयान के विरोध में तहसील स्याना में फूटा जनाक्रोश, विश्व सनातन हिंदू फाउंडेशन ने सौंपा ज्ञापन

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- विश्व सनातन हिंदू फाउंडेशन के नेतृत्व में आज तहसील स्याना में जोरदार धरना-प्रदर्शन कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के कार्यकताओं एवं सनातन समाज के लोगों ने संजय भाटी द्वारा माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रदेश की कानून व्यवस्था पर दिए गए कथित भ्रामक, भड़काऊ एवं समाज में वैमनस्य फैलाने वाले बयानों के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया। धरना-प्रदर्शन के दौरान संगठन के संस्थापक/अध्यक्ष ज्ञानेश चौहान ने कहा कि प्रदेश की शांति व्यवस्था बिगाड़ने और हिन्दू-मुस्लिम के नाम पर समाज को बांटने की राजनीति किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिना तथ्यों के मुख्यमंत्री एवं प्रदेश सरकार पर आरोप लगाना केवल राजनीतिक सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ऐसे लोगों पर समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो समाज में गलत संदेश जाएगा। संगठन ने मांग की कि संजय भाटी के खिलाफ तत्काल संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए। ज्ञानेश चौहान ने कहा कि विश्व सनातन हिंदू फाउंडेशन सदैव सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रहित एवं सनातन समाज की एकता के लिए कार्य करता रहेगा तथा समाज को तोड़ने वाली मानसिकता का लोकतांत्रिक तरीके से लगातार विरोध किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान ह्लसमाज की एकता ही हमारी प्राथमिकताह्व एवं ह्लराष्ट्रहित सर्वोपरिह्व जैसे नारों के साथ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया गया।

अतिक्रमण पर चला नगर पालिका का बुल्डोजर, बरसात से पहले नालों की सफाई अभियान तेज

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- बरसात के मौसम को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन ने नालों की सफाई एवं जलभराव की समस्या से निपटने के लिए अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। सोमवार को नगर पालिका की टीम ने एसडीएम वंदना मिश्रा की मौजूदगी में नगर क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुल्डोजर चलाया। अभियान के दौरान नालों और सार्वजनिक मार्गों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया, ताकि बरसात के दौरान पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सके। प्रशासन की इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। एसडीएम वंदना मिश्रा ने बताया कि बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से बचाव के लिए नालों की सफाई कराई जा रही है। जहां भी अतिक्रमण के कारण नालों की सफाई में बाधा उत्पन्न हो रही है, वहां कार्रवाई की जा रही है। नगर पालिका अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि सार्वजनिक स्थानों और नालों पर अतिक्रमण न करें तथा प्रशासन के अभियान में सहयोग करें। अभियान के दौरान नगर पालिका कर्मचारी एवं पुलिस बल भी मौजूद रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित बिजनौर दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट

अफजलगढ़ के आलमपुर गांवड़ी में 30 मई को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा

डीएम जसजीत कौर ने अधिकारियों को दिए समयबद्ध और मानक आधारित व्यवस्थाओं के निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर में आगामी 30 मई 2026 को प्रस्तावित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विकास खंड अफजलगढ़ के ग्राम आलमपुर गांवड़ी क्षेत्र में प्रस्तावित मुख्यमंत्री कार्यक्रम की तैयारियों का विस्तृत जायजा लिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सफल बनाने के लिए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को अपने-अपने दायित्व पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ निभाने के निर्देश दिए तथा कार्यों की प्रगति से नियमित रूप से अवगत कराने को कहा। डीएम जसजीत कौर ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र, स्वीकृति पत्र और अन्य योजनाओं से संबंधित लाभ वितरित किए जाएंगे। इसके लिए लाभार्थियों की सूची व्यवस्थित रूप से तैयार करने तथा उन्हें मंच तक सुचारु रूप से पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन विकास योजनाओं और परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास मुख्यमंत्री द्वारा किया जाना है, उनकी विभागवार सूची पूर्ण विवरण के साथ तैयार की जाए, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो। बैठक में कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं को लेकर विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल का नियमित निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं की सतत मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने सुरक्षा, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था, पार्किंग तथा स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा हेलीकॉप्टर लैंडिंग स्थल, सभास्थल, प्रेस गैलरी, सेफ हाउस और पार्किंग क्षेत्रों में सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाओं को मानक अनुरूप तैयार करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। प्रशासन का प्रयास है कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए और सभी व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित हों। बैठक में रणविजय सिंह, अंशिका दीक्षित, डॉ. कौशलेंद्र सिंह, दिनकर भारती सहित लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत, कृषि और अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक हलकों में गतिविधियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि सभी तैयारियां तय समय सीमा के भीतर पूरी कर ली जाएं, ताकि मुख्यमंत्री का दौरा सफल और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

बकरीद पर शरीअत और सफाई का रखें खास ध्यान:- मुफ़्ती रियाज उल हक कासमी

सरायतरीन जामा मस्जिद दरबार के इमाम ने मुस्लिम समाज से शांतिपूर्ण और जिम्मेदारी के साथ ईद-उल-अजहा मनाने की अपील की

सम्भल(सब का सपना):- ईद-उल-अजहा (बकरीद) से पहले सरायतरीन की जामा मस्जिद दरबार के इमाम मुफ़्ती रियाज उल हक कासमी ने मुस्लिम समाज से शरीअत, साफ-सफाई और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अजहा हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की सुन्नत को ज़िंदा करने का त्योहार है और इसका असली संदेश अल्लाह के हुक्म के आगे पूरी तरह समर्पित होना है।

मुफ़्ती रियाज उल हक कासमी ने कहा कि जब अल्लाह का हुक्म किसी ईमान वाले के सामने आ जाए तो उसे अपनी तमाम ख्वाहिशों को पीछे छोड़कर खुशी के साथ अल्लाह के आदेश को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुबार्नी इंसान को गलत चीजों का त्याग कर नेक रास्ते पर चलने की सीख देती है। उन्होंने बताया कि कुबार्नी हर उस शख्स पर वाजिब है जिसके पास साढ़े बावन तोला चांदी या उसके बराबर मालियत मौजूद हो। इसके लिए पूरे साल मालदार होना जरूरी नहीं है, बल्कि 10, 11 या 12 ज़िलहिज्ज में भी यदि इतनी मालियत मौजूद हो जाती है तो कुबार्नी वाजिब हो जाती है। गोश्त के बंटवारे को लेकर उन्होंने कहा कि बेहतर तरीका यह है कि कुबार्नी के गोश्त के तीन हिस्से किए जाएं। एक हिस्सा अपने लिए, दूसरा रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए तथा तीसरा गरीबों और जरूरतमंदों में बांटा जाए। हालांकि जरूरत पड़ने पर पूरा गोश्त घर में इस्तेमाल किया जा सकता है। मुफ़्ती साहब ने खासतौर पर नौजवानों को नसीहत देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कुबार्नी किए गए जानवरों, ज़िबाह या उनसे जुड़े वीडियो और तस्वीरें वायरल करने से बचें। उन्होंने कहा कि कुबार्नी ऐसी जगह की जाए जो सार्वजनिक स्थानों और आम रास्तों से दूर हो। उन्होंने अपील की कि गोश्त को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते समय उसे ढककर ले जाया जाए और पर्दे का विशेष ध्यान रखा जाए। साथ ही कोई भी ऐसा कार्य न किया जाए जिससे दूसरे लोगों को असुविधा या तकलीफ पहुंचे, क्योंकि इस्लाम अमन, सफाई और इंसानियत का संदेश देता है।

भीषण गर्मी में नगर पालिका ने बांटे ओआरएस व शीतल जल

शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- भीषण गर्मी व लू को देखते हुए नगर पालिका परिषद ने सोमवार को स्वास्थ्य सुरक्षा एवं जन जागरूकता अभियान चलाया। एसडीएम रविंद्र प्रताप सिंह, चेयरपर्सन राजबाला देवी सैनी व अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह ने लोगों को ओआरएस पैकेट व शीतल जल वितरित किया। अधिकारियों ने लोगों से धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने और सावधानी बरतने की अपील की। कार्यक्रम में कई सभासद मौजूद रहे।

गंगा दशहरा पर राजघाट कर्णवास में उमड़ा आस्था का सैलाब

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- गंगा दशहरा के पावन अवसर पर राजघाट कर्णवास में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान वार्षिक युवा सभा डिबाई की ओर से श्रद्धालुओं के लिए जलजीरा व शर्बत की प्याऊ लगाई गई, जहां लोगों ने गर्मी में ठंडे पेय का आनंद लिया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। घाटों पर पुलिसकर्मियों, गोताखोरों एवं ग्राम प्रधान सहित स्थानीय लोगों की टीम लगातार निगरानी करती रही, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने और सुरक्षित तरीके से स्नान करने की अपील की।

FRCT के 1 लाख सदस्य पूरे होने पर भीषण गर्मी में राहगीरों को पिलाया गया शरबत

अमरोहा (सब का सपना):- चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी के बीच रविवार को टी.पी. नगर चौराहा अमरोहा में मानवता की सेवा का अनोखा दृश्य देखने को मिला। 'फास्ट रिलीफ चैरिटेबल टीम' (FRCT) उत्तर प्रदेश के 1 लाख सदस्य पूरे होने के उपलक्ष्य में संस्था ने भव्य शरबत वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक कड़कड़ाती धूप में FRCT कार्यकताओं ने राहगीरों, बस-एम्बुलेंस यात्रियों और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को रोक-रोक कर 5,000 से अधिक गिलास ठंडा शरबत पिलाया। कार्यक्रम की कमान FRCT के प्रदेश प्रवक्ता एवं जिला अध्यक्ष शोभित सिंह ने संभाली। निस्वार्थ सेवा और ओजस्वी नेतृत्व से अमरोहा में मिसाल बन चुके शोभित सिंह ने बताया, "FRCT बिना किसी भेदभाव के सर्व समाज के सुख-दुख में साथ खड़ी रहती है।" उन्होंने कहा कि संस्था डिजिटल मंच के जरिए 'आकस्मिक निधन योजना' व 'बेटी विवाह शगुन योजना' से लोगों को आर्थिक संबल व सुरक्षा कवच दे रही है। इन्हीं योजनाओं से प्रभावित होकर आज 1 लाख से अधिक सदस्य FRCT से जुड़ चुके हैं। शोभित सिंह के जमीनी जुड़ाव और अथक सेवाभाव के कारण पूरी टीम ऊर्जा के साथ समाज हित में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी हरि सिंह मौर्य एवं प्रदेश मंत्री अंकुर त्रिवेदी शामिल हुए। जिला टीम से काविन्दर सिंह, भीम बहादुर मौर्य, राजू सिंह, सुमित यादव, डॉ. अशोक कुमार सिंह, अंकित यादव, सुभाष चन्द्र, ममता सैनी, पूनम देवी, डॉ. शुऐब मलिक, संजीव कुमार, मोहित राही, मो. साकिब, पीतम सिंह, भरत चांदना, अरित त्रिवेदी, मयंक, अवधेश सिंह, उमा देवी, अलका रानी, सुषमा देवी, कैलाश प्रजापति, मोहित, फतेह सैनी आदि पदाधिकारियों व सक्रिय सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

सत्येंद्र जैन बनाम करनैल सिंह मानहानि मामले में 29 मई को फैसला, कोर्ट ने संज्ञान पर रखा आदेश सुरक्षित

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने पूर्व दिल्ली मंत्री सत्येंद्र जैन द्वारा भाजपा विधायक करनैल सिंह के खिलाफ दायर मानहानि शिकायत मामले में संज्ञान के मुद्दे पर अदालत 29 मई को आदेश सुनाएगी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) के समक्ष दोनों पक्षों की दलीलें पूरी हो गई हैं। यह मामला उस बयान से जुड़ा है, जो करनैल सिंह ने 19 जनवरी 2025 को एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में दिया था। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने शिकायत पर संज्ञान लेते हुए करनैल सिंह को समन जारी किया था, लेकिन उन्होंने इस आदेश को सत्र अदालत में चुनौती दी थी। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह ने 30 अप्रैल को ट्रायल कोर्ट का आदेश रद्द करते हुए मामले को दोबारा विचार के लिए वापस भेज दिया था।करनैल सिंह की ओर से पेश अधिवक्ता विनोद दहिया ने दलील दी कि उनके मुवक्किल के बयान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की प्रेस रिलीज और मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित थे। साथ ही उन्होंने कहा कि चुनावी उम्मीदवार होने के नाते जनता को विपक्षी उम्मीदवार के बारे में जानकारी देना उनका कर्तव्य था।वहीं सत्येंद्र जैन की ओर से अधिवक्ता रजत भारद्वाज ने पक्ष रखा। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि करनैल सिंह ने इंटरव्यू में दावा किया था कि सत्येंद्र जैन के घर से 37 किलो सोना बरामद हुआ और उनके नाम 1100 एकड़ जमीन है। शिकायत के अनुसार, उन्हें भ्रष्ट, फ्राड और भूमाफिया कहकर उनकी छवि खराब करने की कोशिश की गई।

दिल्लीः 20 मई विवेक विहार फायरिंग मामले में दो गिरफ्तार, सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और कारतूस बरामद

नई दिल्ली। विवेक विहार इलाके में बीते 20 मई की देर रात "जिंगर होटल" के बाहर हुई फायरिंग मामले में स्पेशल सेल ने मुख्य आरोपित समेत एक नाबालिग को दबोच लिया है। बदमाशों के पास से दो सेमी-आटोमैटिक पिस्टल और चार कारतूस बरामद किए गए हैं। मई के दूसरे हफ्ते में बदमाशों के कुछ दोस्त विवेक विहार के जिंगर क्लब में पार्टी करने आए थे। पार्टी के बाद ड्रिंक्स के बिल को लेकर क्लब मैनेजमेंट और युवकों के बीच तीखी बहस हो गई थी। इसी विवाद और अपनी बेइज्जती का बदला लेने के लिए बदमाशों ने क्लब मैनेजमेंट को डराने के लिए होटल के बाहर ताबड़तोड़ चार राउंड फायरिंग की थी और वारदात के बाद सभी मौके से फरार हो गए थे। डीसीपी स्पेशल सेल नारा चैतन्य के मुताबिक गिरफ्तार किए गए बदमाश का नाम अजय उर्फ अज्जू है। यह भोला नाथ नगर, शाहदरा का रहने वाला है। 20 मई की रात नकाबपोश बदमाशों ने जिंगर होटल के गेट पर ताबड़तोड़ चार राउंड फायरिंग की थी। होटल मैनेजर की शिकायत पर अगले दिन 21 मई को विवेक विहार थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया था।मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पेशल सेल को बदमाशों को पकड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई। एसीपी कैलाश बिष्ट व इंस्पेक्टर सुनील तेवतिया की टीम ने बदमाशों को ट्रैक करना शुरू किया। 23 मई को पुलिस को सूचना मिली कि दो बदमाश अपने एक साथी से मिलने गाजीपुर इलाके में आने वाले हैं। पुलिस टीम ने गाजीपुर पुलिस स्टेशन के पीछे, लिंक रोड के पास दोनों को दबोच लिया। तलाशी लेने पर अजय और नाबालिग के पास से एक-एक सेमी-आटोमैटिक पिस्टल और दो-दो कारतूस बरामद हुए। अजय, मूलरूप से बदायूं का रहने वाला है। 2025 में उसपर फर्श बाजार थाने में हत्या के प्रयास का पहला मामला दर्ज हुआ था, जिसके बाद वह करीब दो महीने जेल में रहा। जेल के अंदर अजय, कुख्यात अपराधियों के संपर्क में आने पर जेल से बाहर आने के बाद, उसके एक दोस्त ने उसे जिंगर होटल के बाहर फायरिंग करने के लिए उकसाया और वादा किया कि वह उसे जल्द ही जमानत दिलवा देगा। उसी दोस्त ने उसे अवैध हथियार और एक एनटार्क स्कूटी भी मुहैया कराई थी। पुलिस अब उस नेटवर्क को खंगाल रही है जो स्थानीय युवाओं को अवैध हथियार सप्लाई करता है। साथ ही वारदात में शामिल बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी की जा रही है।

शराब के झगड़े में गला घोंटकर हत्या, झारखंड के चंपई मरांडी हत्याकांड में दिल्ली से मुख्य आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। झारखंड के साहिबगंज स्थित बोरियो थानाक्षेत्र में हुई चंपई मरांडी नाम के शख्स की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने दिल्ली में छिपकर रह रहे सुखदेव मुर्मू उर्फ ताला को गिरफ्तार कर लिया। बीते 12 मई को हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया था। हत्या के बाद पहचान छिपाने के लिए आरोपित ने शव को जंगल में फेंक दिया था। पुलिस के अनुसार, बोरियो थाना पुलिस ने स्वजन की शिकायत पर पहले केवल अपहरण की धारा में मुकदमा दर्ज किया था लेकिन 10 दिन बाद जंगल से लाश मिलने पर पुलिस ने मुकदमे में हत्या की धारा भी जोड़ दी थी। वारदात के बाद गिरफ्तार होने से बचने के लिए, आरोपित झारखंड से भागकर दिल्ली आ गया था। झारखंड पुलिस की सूचना पर क्राइम ब्रांच ने छानबीन के बाद आरोपित सुखदेव मुर्मू को गिरफ्तार कर लिया।डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव के मुताबिक सुखदेव मुर्मू, साहिबगंज, झारखंड का रहने वाला है और खेतों में मजदूरी करता है। वह शराब का आदी है। शराब पीते समय किसी बात पर झगड़ा होने पर आरोपित ने चंपई मरांडी के सगे भाई के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी थी। जांच में पता चला था कि चंपई को आखिरी बार सुखदेव के साथ शराब पीते हुए देखा गया था।हवलदार गौरव को 24 मई को सुखदेव के बारे में सूचना मिली कि वह हनुमान मंदिर, यमुना बाजार के पास आने वाला है। उसने दिल्ली में अपने कुछ करीबियों को बताया है कि वह और उसके साथी, साहिबगंज, झारखंड में अपने पैतृक गांव में हुई हत्या में शामिल हैं। उक्त सूचना के बाद एसीपी सत्येंद्र मोहन व इंस्पेक्टर विनय कुमार की टीम ने हनुमान मंदिर, यमुना बाजार के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि 12 मई को उसने बाबूजी मरांडी, मंगल टुडू और मृतक चंपई मरांडी के साथ मिलकर शराब पी थी। शराब पीने के दौरान, उनके बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस हो गई, जिसके बाद सभी ने मिलकर चंपई मरांडी का गला घोंट दिया था।

दिल्ली में 800 रुपये मेहनताना न देने पर नाबालिग ने फैक्ट्री मालिक पर किए चाकू के वार, हरिद्वार से गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली। धर्मपुरा इलाके में एक फैक्ट्री मालिक को एक नाबालिग को 800 रुपये मेहनताना न देना भारी पड़ गया। नाबालिग ने अपने एक साथी के साथ मिलकर फैक्ट्री मालिक पर चाकू से वार कर दिए। उसे लहूलुहान करके आरोपित फरार हो गए। 35 वर्षीय घायल को पुलिस ने जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती करवाया। गांधी नगर थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को हरिद्वार स्थित हर की पौड़ी से गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि 21 मई को पुलिस को सूचना मिली थी धर्मपुरा क्षेत्र में दिन में 12:30 एक फैक्ट्री मालिक पर 800 रुपये के विवाद में चाकू से वार किए गए हैं। घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। फैक्ट्री मालिक ने बताया कि उसपर दो नाबालिगों ने चाकू से वार किए हैं। एक नाबालिग से उसने फैक्ट्री में एक दिन काम करवाया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष राजकुमार के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई।पुलिस ने टेक्निकल सर्विलांस के जरिये दोनों को हर की पौड़ी से दबोच लिया। नाबालिगों ने पुलिस से कहा कि फैक्ट्री मालिक 800 रुपये नहीं दे रहा था। गुस्से में उन्होंने उसपर चाकू से वार कर दिए।

कई इलाकों में पेयजल संकट

यमुना में पानी की कमी और अमोनिया बढ़ने से दिल्ली प्यासी

नई दिल्ली। राजधानी के दो प्रमुख जल शोधन संयंत्रों (डब्ल्यूटीपी) वजीराबाद और चंद्रावल से कम पेयजल उपलब्ध होने के कारण राजधानी के कई क्षेत्रों में लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से हरियाणा की तरफ से यमुना में कम पानी आने और नदी में अमोनिया की मात्रा बढ़ने से यह समस्या हो रही है। यमुना में पानी की कमी से वजीराबाद बैराज के पास जलाशय का जल स्तर नीचे चला गया है। इस कारण दोनों डब्ल्यूटीपी अपनी क्षमता के अनुसार नहीं चल रहे हैं। वजीराबाद बैराज के जलाशय से वजीराबाद और चंद्रावल डब्ल्यूटीपी को कच्चा पानी मिलता है जिसे शोधित कर उत्तरी, उत्तर पश्चिमी और मध्य दिल्ली में पानी की आपूर्ति की जाती है। दोनों संयंत्र क्षमता के अनुरूप काम करे इसके लिए वजीराबाद बैराज का जलस्तर 674.5 फीट आवश्यक है। लेकिन, इन दिनों जलाशय का जलस्तर 670 फीट से नीचे आ गया है। इस समय इसका जलस्तर 669.8 फीट के आसपास है। इससे वजीराबाद से 25 प्रतिशत और चंद्रावल से 10 प्रतिशत तक पानी की आपूर्ति कम हो गई है। सामान्य स्थिति में वजीराबाद से 134 और चंद्रावल 98 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) पानी मिलता है। जल बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार यदि जलस्तर इसी तरह घटता रहा तो आने वाले दिनों में पेयजल आपूर्ति की समस्या और बढ़ेगी। इसके समाधान के लिए हरियाणा सरकार से बात चल रही है। हरियाणा सरकार हथनी कुंड बैराज में अतिरिक्त पानी छोड़ने की मांग की गई है।साथ ही मुनक नहर का पानी वजीराबाद की ओर मोड़ने का प्रयास किया जा रहा है जिससे कि दोनों संयंत्रों को क्षमता के अनुसार चलाया जा सके। दिल्ली में प्रतिदिन लगभग 1250 एमजीडी पानी की आवश्यकता होती है। लेकिन, दिल्ली के सभी डब्ल्यूटीपी से लगभग एक हजार एमजीडी पानी मिलता है। गर्मी के दिनों में इसमें और कमी आ जाती है। प्रत्येक वर्ष गर्मी के दिनों हथनी कुंड बैराज से यमुना में कम पानी छोड़ने से दिल्ली में पेयजल आपूर्ति प्रभावित होती है। दिल्ली सरकार ने कुछ माह पहले यह दावा किया था कि राजधानी में पेयजल की कमी दूर करने हिमाचल प्रदेश से 135 एमजीडी अतिरिक्त पानी मिलेगा। हरियाणा के रास्ते यह दिल्ली लाया जाएगा। लेकिन, अभी तक दिल्ली को अतिरिक्त पानी मिलना शुरू नहीं हुआ है।

दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़ा 50 हजार का इनामी अंतरराज्यीय चोर, 'चाबी वाला' बनकर करता था रेकी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कई राज्यों में चोरी और सेंधमारी की वारदात को अंजाम देने वाले अंतरराज्यीय चोर जोगिंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। वह मूलरूप से नंदुरबार (महाराष्ट्र) का रहने वाला है फिलहाल वह इंदौर (मध्य प्रदेश) में ठिकाना बदलकर रह रहा था। दिल्ली पुलिस की तरफ से उसपर 50 हजार का इनाम घोषित था। वह चाबी वाला बनकर दिन में रेकी करता था और रात को घरों के ताले तोड़कर नगदी, आभूषण व अन्य कीमती चोरी कर फरार हो जाता था। कृष्णा नगर और गीता कालोनी के दो मामले में कोर्ट द्वारा इसे भगोड़ा घोषित किया जा चुका है।डीसीपी क्राइम ब्रांच संजीव कुमार यादव के मुताबिक जोगिंदर सिंह, सोसायटियों में "ताले-चाबी ठीक करने वाला" बनकर घूमता था। वह पहले बंद घरों की रेकी करता था और मौका मिलते ही मास्टर चाबी या ताला तोड़कर घर में दाखिल होकर कैश, ज्वेलरी व अन्य कीमती सामान समेटकर फरार हो जाता था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश के बीच अपने ठिकाने बदलता रहता था।मालवीय नगर थाने में दर्ज मामले में जोगिंदर सिंह पुलिस की गिरफ्त में नहीं आ रहा था, जिसके बाद मार्च में इस पर 50 हजार का इनाम घोषित कर दिया गया था। क्राइम ब्रांच के एसीपी सत्येंद्र मोहन व इंस्पेक्टर वीर सिंह के नेतृत्व में एक विशेषर टीम बनाई गई। टीम ने आरोपित को पकड़ने के लिए महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कई जगह छापेमारी की। आखिरकार 24 मई को पुलिस को पुलिस टीम को सूचना मिली कि जोगिंदर, अलीपुर इलाके में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने इसे दबोच लिया। जोगिंदर शराब का आदी है। अपनी इस लत और ऐशो-आराम की जिंदगी के लिए उसने अपराध का रास्ता चुना। वह अब तक दिल्ली, महाराष्ट्र और गुजरात में चोरी और सेंधमारी के 10 से अधिक मामलों में शामिल रह चुका है। इसके बारे में संबंधित थानों को सूचना दे दी गई है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है ताकि अन्य वारदातों और उसके गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में पता लगाया जा सके।

नीट-2026 पेपर लीक मामले में प्रो. मनीषा हवलदार को 6 दिन की CBI कस्टडी, फिजिक्स का पेपर लीक करने का है आरोप

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने नीट-यूजी 2026 पेपर लीक मामले में पुणे की रहने वाली भौतिकी की प्रो. मनीषा संजय हवलदार को छह दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने सोमवार को सीबीआई की कस्टोडियल पूछताछ की मांग स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया।
सीबीआई ने अदालत को बताया कि मनीषा हवलदार नीट-यूजी परीक्षा में ट्रांसलेटर के तौर पर कार्यरत थीं। जांच एजेंसी के अनुसार, उन्होंने अन्य आरोपितों के साथ मिलकर उन भौतिकी प्रश्नों को साझा किया, जो अनुवाद के लिए उनके पास आए थे। एजेंसी का दावा है कि यही प्रश्न बाद में लीक नेटवर्क के जरिए बाहर पहुंचाए गए।सीबीआई ने हवलदार को 22 मई को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया। एजेंसी के मुताबिक, पुणे के सेठ हीरालाल सराफ प्रशाला में कार्यरत हवलदार पेपर लीक के मुख्य स्रोत आरोपितों में शामिल हैं।जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि प्रश्नपत्र किन लोगों तक पहुंचाया गया, इसके बदले कितनी रकम ली गई और इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल था। सीबीआई का कहना है कि आरोपितों से पूछताछ के दौरान इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, संपर्कों और वित्तीय लेनदेन से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने की संभावना है।

आबकारी घोटाला मामले में न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ के समक्ष पेश होंगे केजरीवाल और मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली। आबकारी घोटाला मामले में ट्रायल कोर्ट के निर्णय के खिलाफ सीबीआई की अपील याचिका की सुनवाई में न्यायमूर्ति मनोज जैन के समक्ष शामिल होने का पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने निर्णय किया है। बता दें कि न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा द्वारा केजरीवाल सहित अन्य के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने के बाद मामले को अन्य पीठ के समक्ष स्थानांतरित करने का निर्णय लेने के बाद मामला न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया है।
तीन वकालतनामे दायर किए गए
सोमवार को न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने मामले की सुनवाई शुरू की तो पाया कि केजरीवाल, सिसोदिया और पाठक की ओर से तीन वकालतनामे दायर किए गए हैं।
इस पर पीठ ने कहा कि अदालत अगली तारीख पर सभी की बात सुनेगा।
इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 16 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी।

गजरौला के सलेमपुर गोसाईं में दबंगों का आतंक, सरिये से वार कर तीन को किया लहुलुहान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के गांव सलेमपुर गोसाईं में दबंगों का आतंक इतना बढ़ गया है कि अब वह आए दिन शराब के नशे में धुत होकर गांव में आतंक काटने लगे हैं इतना ही नहीं बल्कि जब इनका कोई गांव निवासी व्यक्ति विरोध करता है तो उसे पर यह हमला कर देते हैं। हाल ही में ऐसा ही एक मामला रविवार की देर रात सामने आया जिसमें गांव निवासी कुछ दबंग लोगों ने शराब के नशे में हाथ में सरिया लेकर गांव निवासी तीन लोगों को सरिया मार कर लहुलुहान कर दिया। इस हमले में तीनों व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्होंने आरोपी दबंगों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। बता दें कि पूरा मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव सलेमपुर गोसाईं का है जहां की निवासी सुमन ने बताया कि उनके दो बेटों को गांव निवासी दबंग व्यक्ति अरुण पुत्र देवेन्द्र व उसके साथी ने सरिया मार कर बुरी तरह से लहूलुहान कर दिया है। सुमन ने बताया कि यह अरुण व उसका साथी दबंग किस्म के लोग हैं और आए दिन गांव में लोगों से झगड़ा करते रहते हैं मेरे बेटों से इसका कोई विवाद नहीं था बावजूद इसके वह दोनों मेरे बेटों के साथ गाली गलौज कर रहे थे जिसका उन्होंने विरोध किया तो उन्होंने उस पर सरिए से वार करके घायल कर दिया। उधर इन्हीं दबंग व्यक्तियों के द्वारा गांव में दूसरी घटना को भी अंजाम दिया गया जिसमें गांव निवासी हेमंत पुत्र तुलवा को इन्हीं दबंग व्यक्तियों ने सरिये पीट पीट कर बुरी तरह से घायल कर दिया। इस मामले में तीनों घायल व्यक्तियों ने गजरौला थाने में तहरीर देकर दबंग व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है। वहीं इस मामले में पुलिस ने प्राप्त तैयारी के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

केंद्र सरकार के खिलाफ उतरा दिल्ली जिमखाना क्लब, हाई कोर्ट में सरकारी जमीन खाली करने के आदेश को चुनौती

नई दिल्ली। Delhi Gymkhana Club ने केंद्र सरकार के उस आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें क्लब को लुटियंस दिल्ली स्थित अपनी 27.3 एकड़ की जमीन 5 जून तक खाली करने का निर्देश दिया गया है। मामले का उल्लेख सोमवार को अभिषेक मनु सिंघवी ने जस्टिस अवनीश झिंगन के समक्ष किया और तत्काल सुनवाई की मांग की। अदालत ने मामले को मंगलवार, 26 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई। यह याचिका जिमखाना क्लब के सदस्य विजय खुराना की ओर से दायर की गई है। दरअसल, 22 मई को लैंड एवं डेवलपमेंट ऑफिस (एलएंडडीओ) ने क्लब को आदेश जारी कर कहा था कि वह 2, सफदरजंग रोड स्थित 27.3 एकड़ परिसर को खाली कर सरकार को सौंप दें।सार्वजनिक उद्देश्य के लिए जमीन ले सकते हैं वापस सरकार ने अपने आदेश में मूल लीज डीड की धारा 4 का हवाला दिया है, जिसके तहत सार्वजनिक उद्देश्य के लिए आवश्यकता पड़ने पर सरकार भूमि का कब्जा वापस ले सकती है।केंद्र सरकार का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास और अन्य उच्च सुरक्षा प्रतिष्ठानों के निकट स्थित यह भूमि रक्षा ढांचे को मजबूत और सुरक्षित करने, प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार तथा अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक सुरक्षा उद्देश्यों के लिए आवश्यक है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि दोबारा कब्जा लेने की स्थिति में 27.3 एकड़ का पूरा भूखंड, उस पर बने सभी भवन, संरचनाएं, लॉन और अन्य फिटिंग्स पूरी तरह से भारत के राष्ट्रपति के माध्यम से एलएंडडीओ में निहित हो जाएंगे।

दिल्ली-छत्तीसगढ़ में बढ़ेगा आपसी सहयोगः सीएम विष्णु देव साय ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की सौजन्य भेंट

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को देश की राजधानी नई दिल्ली में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से उनके राजकीय निवास पर सौजन्य भेंट की। दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच हुई यह मुलाकात बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। इस उच्च स्तरीय बैठक के दौरान दोनों राज्यों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करने, सुशासन, शहरी विकास और जनहित से जुड़ी कल्याणकारी योजनाओं के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। सुशासन और शहरी विकास मॉडल पर हुआ मंथन मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच देश के बदलते प्रशासनिक और विकास परिदृश्य पर सकारात्मक बातचीत हुई। बैठक में मुख्य रूप से शहरी विकास, सार्वजनिक सुविधाओं के आधुनिकीकरण और नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने वाले विभिन्न जनहितैषी विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। दोनों मुख्यमंत्रियों ने इस बात पर असहमति जताई कि राज्यों के बीच बेहतर समन्वय से ही संघीय ढांचे को और मजबूती दी जा सकती है।सीएम साय ने साझा की छत्तीसगढ़ की विकास गाथा
मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य में संचालित की जा रही प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं और ढांचागत विकास के कार्यों की जानकारी साझा की।
उन्होंने बताया कि किस तरह छत्तीसगढ़ तकनीक और सुशासन के माध्यम से अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचा रहा है।देश के विकास में राज्यों का आपसी सहयोग बेहद महत्वपूर्ण दोनों मुख्यमंत्रियों ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि राष्ट्र के समग्र विकास में राज्यों की सक्रिय भूमिका और उनका आपसी सहयोग सबसे बड़ी धुरी है।
विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा के साथ ही दोनों नेताओं ने भविष्य में भी एक-दूसरे के राज्यों के सर्वश्रेष्ठ प्रशासनिक अनुभवों और मॉडल्स को साझा करने की इच्छा जताई। इस सौजन्य भेंट को दोनों राज्यों के नीतिगत और विकासपरक संबंधों को प्रगाढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

दिल्ली हाट में किराया चार गुना तक बढ़ा, दो महीने से खाली चल रहीं 16 दुकानें

दक्षिणी दिल्ली। देशभर के हस्तशिल्पी और कारीगरों को दिल्ली हाट में स्थान दिया जाता रहा है। किफायत में स्थान देने का उद्देश्य न केवल स्थानीय कलाओं को साझा मंच देकर उनका प्रसार करना था, बल्कि उनको आर्थिक रूप से समृद्ध करना भी था। वर्ष 2024 व 2025 में 88 वर्ग फीट की व्यावसायिक दुकानों का किराया 60 हजार रुपये था। इस बार अप्रैल से जून तक के लिए हुई निविदा में यह राशि लगभग चार गुना तक बढ़ाकर 2.03 लाख कर दी गई है। जीएसटी जोड़कर यह राशि 2.40 लाख तक बनती है। इसके चलते कुल 38 व्यावसायिक दुकानों में से 16 यानी लगभग 42 प्रतिशत दुकानों को खरीदने में हस्तशिल्पियों ने रुचि ही नहीं दिखाई। जिन शिल्पियों और कारीगरों ने दुकानें खरीदी भी हैं, उनके लिए किराया निकालना भी मुश्किल हो रहा है।कितना है दुकानों का किराया? दिल्ली हाट में केवल किराया बढ़ना ही परेशान करने वाला नहीं है। जिन्होंने 2.40 लाख देकर दुकानें ली भी हैं, उन्हें 30 रुपये का टिकट लेकर ही अंदर आना पड़ता है। लगभग छह हजार रुपये बिजली का बिल और मेज व कुर्सियों का शुल्क अलग से। मीरजापुर के ब्रास आइटम के शिल्पकार अजीत कुमार शुक्ला पिछले सात-आठ वर्ष से दुकान लेते आए हैं।वे बताते हैं कि पहले गर्मियों में 88 दुकानों का किराया 60 हजार और सर्दियों के दौरान 1.10 लाख होता था। अब 2.40 लाख रुपये हर महीने किराया निकाल पाना मुश्किल हो गया है। कासगंज के रहने वाले कारीगर जितेंद्र कुमार भी दिल्ली हाट में लगभग सात वर्ष से आर्टिफिशियल ज्वेलरी की शाप लगाते हैं।
वे बताते हैं कि इतना महंगा किराया देने के बाद भी हाट में हमारी एंट्री सीधे नहीं होती। हम लोगों को टिकट लेकर अंदर अपनी दुकान पर आना पड़ता है। दिल्ली हाट के चीफ मैनेजर से लेकर दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम के जनरल मैनेजर तक से किराया कम करने की गुहार लगाई। पर अब तक कारीगरों और शिल्पकारों की मांग पर ठोस विचार नहीं किया जा सका है।
दुकानों के दाम में चार गुना वृद्धि पर जब दिल्ली हाट के अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने इसे विभागीय निर्णय बताकर पल्ला झाड़ लिया। दिल्ली हाट में 88 वर्ग फीट की 26, 97 की चार, 129 की एक, 1223 की एक, 139 की दो एवं 1410, 1310, 12.59 व 169 की एक-एक दुकानें हैं। इस बार इनका किराया 2.03 लाख से लेकर 6.38 लाख रुपये प्रतिमाह तक निर्धारित है।

सैफ अली खान ने बताई प्रोडक्शन हाउस बंद करने की वजह

सैफ अली खान हाल ही में 'कर्तव्य' फिल्म में नजर आए हैं। फिल्म में उनके काम की प्रशंसा हुई है। बतौर अभिनेता सैफ अली खान लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन बतौर निर्माता सैफ ने कुछ ही फिल्मों के निर्माण के बाद अपने प्रोडक्शन हाउस 'इल्यूमिनाती फिल्म्स' को बंद कर दिया। जबकि सैफ ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले कुछ सफल फिल्में भी बनाईं। अब सैफ अली खान ने प्रोडक्शन हाउस बंद करने की वजह बताई है।

यह कष्टदायक काम है 'लव आज कल' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने के बाद सैफ अली खान ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले 'एजेंट विनोद', 'कॉकटेल', 'गो गोवा गॉन' और 'हैप्पी एंडिंग' जैसी फिल्मों का निर्माण किया। लेकिन जल्द ही उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस बंद कर दिया। अब सैफ ने स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान इसके पीछे के कारण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक बहुत बोरिंग काम हो सकता है। लेकिन यह बहुत क्रिएटिव है। मुझे एक आइडिया के साथ साउंड और लुक जैसी क्रिएटिव चीजों पर बात करने का आइडिया पसंद है। मुझे निर्माण करने में मजा आया, लेकिन यह बहुत कष्टदायक भी हो सकता है। इल्यूमिनाती फिल्म्स की सफलता का श्रेय मेरे डिस्ट्रिब्यूशन पार्टनर, इरोस इंटरनेशनल और मेरे प्रोड्यूसिंग पार्टनर दिनेश विजयन की मैडॉक फिल्म्स को भी जाता है।

समय बदलता रहता है

अभिनेता ने आगे कहा कि समय बदलता रहता है, लोग बदलते रहते हैं। यह हर जगह देखने को मिलता है। दिनेश एक बेहतरीन निर्माता बन गए हैं और यह बहुत अच्छी बात है। हमारा भी एक अच्छा दौर था। मैंने उससे बहुत फायदा कमाया और इसमें इरोस की उस समय की एक्टिविटीज का भी बहुत बड़ा योगदान था। यह एक शानदार मौका था, लेकिन कुछ चीजें हमेशा के लिए बनी रहती हैं।

सबा आजाद ने पूरी की सीरीज 'स्टॉर्म' की शूटिंग

ऋतिक रोशन ने की है प्रोड्यूस

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड व अभिनेत्री सबा आजाद जल्द ही ऋतिक के प्रोडक्शन हाउस एचआरएक्स फिल्म्स के बैनर तले बन रहे अगले प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। हाल ही में सबा ने खुलासा किया कि उन्होंने आगामी थ्रिलर सीरीज 'स्टॉर्म' की शूटिंग पूरी कर ली है। सबा ने अपने सीरीज की कहानी और अपने किरदार को लेकर बात की।

बताया करियर का सबसे मुश्किल किरदार

हालिया बातचीत के दौरान सबा आजाद ने बताया कि इस भूमिका ने उन्हें इमोशनली बहुत प्रभावित किया। उन्होंने इस किरदार को अपने करियर की अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण परफॉर्मेंस में से एक बताया। सीरीज में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया मेरे लिए काफी हैरान करने वाली और शानदार रही। इस सीरीज ने मुझे उन तरीकों से झकझोर दिया, जिनकी मैंने उम्मीद नहीं की थी। मुझे लगता है कि मैं इसे घर ले गई और मुझे नहीं लगता कि मैं पहले कभी किसी किरदार को घर ले गई हूं। मैं लोगों के इसे देखने के लिए काफी उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि उस शो में कुछ बेहतरीन कलाकार हैं और अजीतपाल सिंह (निर्देशक) एक जीनियस हैं।

ऐसी है 'स्टॉर्म' की कहानी

'स्टॉर्म' की कहानी मुंबई में हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़े एक घोटाले में फंसी पांच महिलाओं के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, ये महिलाएं भ्रष्टाचार, धोखे और मुंबई जैसे शहर में अपने जीवन के संघर्ष से जूझती नजर आती हैं। इस सीरीज में सबा आजाद के अलावा पार्वती थिरुवोथु, अलाया एफ,

सृष्टि श्रीवास्तव और रामा शर्मा सहित कई दमदार कलाकार नजर आएंगे। अजीतपाल सिंह द्वारा निर्देशित 'स्टॉरम' का निर्माण ऋतिक रोशन और ईशान रोशन अपने बैनर एचआरएक्स फिल्म्स के तहत कर रहे हैं। कहानी अजीतपाल सिंह, फ्रांकोइस लुनेल और स्वाति दास द्वारा लिखी गई है।

अनुराग कश्यप की फिल्म में नजर आएंगी सबा

'स्टॉर्म' के अलावा सबा आजाद का इस साल एक और बड़ा प्रोजेक्ट रिलीज होने वाला है। वह अमेजन एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित होने वाले 'व्हाट्स योर गायनेक?' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इसके बाद अभिनेत्री फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप की आगामी क्राइम ड्रामा फिल्म 'बंदर' में बॉबी देओल और सान्या मल्होत्रा के साथ दिखाई देंगी। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अक्षय कुमार के डांस की मुरीद हुईं अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भोजपुरी गाने पर डांस करने की ख्वाहिश जताई है। जिसका एक खास वीडियो अभिनेत्री ने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है।

वीडियो शेयर कर मांगा मौका

अक्षरा सिंह ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो की शुरुआत में वह अपने टैब पर अक्षय कुमार का मशहूर गाना 'टिप-टिप बरसा पानी' देखती नजर आ रही हैं। इसके बाद वह वीडियो में अक्षय कुमार से कहती हैं, 'प्रणाम अक्षय, मेरा नाम अक्षरा सिंह है और मैं भोजपुरी सिनेमा में काम करती हूं।'

अक्षय के साथ डांस करना चाहती हैं अक्षरा

अक्षरा ने आगे कहा, 'मैं काफी समय से आपके हिंदी गाने देख रही हूं। आपने कई हिंदी गानों पर डांस किया है, अब थोड़ा भोजपुरी गानों पर भी हमारे साथ ठुमका लगाइए। आप बस दिन और समय बता दीजिए, मैं आ जाऊंगी।'

अक्षय का रिप्लाई

अक्षरा ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'भोजपुरी गाने पर ठुमका लगाने का एक चांस दे दें क्या, अक्षय कुमार?' अक्षरा सिंह का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया क्रिएटर्स इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। अक्षरा के इस वीडियो पर अक्षय कुमार ने रिप्लाई दिया है। अक्षय ने लिखा, 'तो फिर बात पक्की अक्षरा। समय सुबह 11:30 बजे, दिन सोमवार, 25 मई और जगह सभी सोशल मीडिया। मिलते हैं।'

तुम्बाड 2 में कैमियो और तीसरे में लीड रोल करेंगी आलिया

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है। आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं।

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट

रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी।

इंडस्ट्री में काम करने के तरीके पर बोलीं सई मांजरेकर

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।'' सई ने आगे कहा, ''मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं।

बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आज़ादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है।

ओटीटी ने महिलाओं को अलग नजरिए से देखना शुरू कर दिया है

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने सिनेमा, अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिर्जापुर' और अभिनय के शुरुआती दौर के किस्से साझा किए।

नई सोच को अगर डिफाइन करोगे तो कितना बदलाव आया है?

नई सोच में सबसे मुश्किल चीज होती है कि हमारी जो खुद की सोच होती है, उसमें बहुत सारी चीजें होती हैं जो हमारी सोच को हमारी बनाती है। हम क्या फिल्मे देखते हैं। हम नाटक देखने जाते हैं या नहीं। आर्ट और कल्चर से एजुकेशन से जब हम खुद को जोड़ते हैं तो ये सब चीजें हमें बहुत प्रभावित करती हैं। मेरा बैकग्राउंड बहुत अकेडमिक है। मेरी सोच बदलती रही और यह बहुत जरूरी है। हमें अपनी सोच को पकड़कर नहीं रखना है। हमें ग्रो करना है। अनुभवों की वजह से मैं हूं। डरिए मत नई सोच से। कोई जबर्दस्ती तो नहीं कह रहा कि यही करना है आपको। एक और चीज मैं कहूंगी कि धैर्य रखिए। सुनिए और समझिए कि सामने वाला क्या कहने को कोशिश कर रहा है।

गोलू के किरदार से लाइफ कितनी बदली?

मिर्जापुर तो लव है हमारा। गोलू और मिर्जापुर अब मेरे साथ नौ साल से है। नौ साल की रिलेशनशिप बहुत सुंदर होती है। इस सफर में क्या-क्या जुड़ा? अली फजल, वो भी लखनऊ से है। मिर्जापुर की जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और पहला एपिसोड पढ़ा तो बहुत मजा आया। मुझे पता था कि मुझे इसका हिस्सा होना है। गोलू के साथ-साथ मैंने भी बहुत ग्रोथ की है।

मिर्जापुर की फिल्म भी आने वाली है?

हमारी फिल्म लंबी तो होगी। आप क्या कहानी बताना चाहते हो, कितना टाइम चाहिए उसे बताने में। हम एक्टिंग तो उतनी ही करेंगे। लेकिन, सीरीज में आप डूब सकते हो। उसका मजा अलग है। ओटीटी ने राइटर, डायरेक्टर, महिला किरदार, क्रू सदस्यों को बहुत सारे मौके दिए हैं। महिलाओं को अब सिर्फ ब्रैकेट में नहीं डाला जा रहा है। किरदार में अब नए कलर और फ्लेवर हैं।

बदलाव आता है तो बदलाव पूरी इंडस्ट्री में आता है। यहां हम जहां तक पहुंचे हैं, इसमें बहुत सारी औरतों का तो रोल है ही, मेल एक्टर्स का भी बहुत हाथ है। पीछे से कुछ सीखने को है अगर तो वह सीखकर आगे बढ़ना चाहिए। यह जिम्मेदारी दर्शकों की है। दर्शक जो देखेगा, वही बनेगा। मैं यहा सभी से रिक्वेस्ट करना चाहूंगी कि वैसा कंटेंट देखिए, जिसे आप देखना चाहते हैं।

श्वेता प्रोड्यूसर भी हैं आप। कंटेंट का आइडिया कहां से आया?

सोच की बात है। डर में नहीं रहना चाहिए। डर की वजह से हम अपने परों को काट देते हैं, जिनसे हम उड़ सकते हैं।

कई एक्ट्रेस अब आवाज उठाने लगी हैं कि आठ घंटे ही हमें काम को देने हैं। निर्माता के रूप में आप कैसे देखती हो?

बहुत सारी बातें पहले ही क्लियर कर लेनी चाहिए। अभी एक प्रोजेक्ट है, जहां कई शर्ते हैं। वैनिटी वैन नहीं होगी। फोन की इजाजात नहीं होगी तो पहले ही इन पर बात करो। प्रोजेक्ट पर निर्भर करता है सब। मैं महिलाओं के केस में यह कह सकती हूं कि बहुत काम करना होता है। प्रोफेशनली भी हम जो वक्त मांग रहे हैं, वह हमारी मेंटल पीस के लिए बहुत जरूरी है। बहुत फॉर ग्रांटेड ले लिया हम लोगों को। वह टाइम का जो हम मांग रहे हैं, सोच-समझकर मांग रहे हैं।

आप थिएटर से भी कैसे जुड़ी रहीं

मैं एक्टर बनना चाहती थी, क्योंकि मैं एक्टर्स को स्टेज पर देखती थी दिल्ली में। मैं लंदन भी गई थी अपनी दोस्त के साथ। वहां हमने परफॉर्मेंस देखीं। मेरे पापा ने भी बचपन में कहा था कि जो भी पैसा या टाइम आप खर्च कर रहे हो उसे अनुभवों पर खर्च करो, क्योंकि यह जिंदगी भर साथ रहता है। सही टाइम वो होता है, जब आप किसी चीज को लेकर फैसला ले लो। मेरे माता-पिता बहुत प्रेरित करने वाले हैं। बचपन से ही मुझे बहुत प्रेरित किया गया था, डांस के लिए और ड्रामा के लिए। उन्हें ऐसा लगा होगा कि यह मेरी पर्सनैलिटी में बहुत हेल्पफुल होगा। इसके लिए मेरे पेरेंट्स का शुक्रिया। मैं भी उन चीजों को पकड़े रखी। मैं केजी से स्टेज पर रही हूं। मैं गर्मी की छुट्टियों में भी वर्क शॉप करती थी। लेकिन, ये मत भूलना कि आपने जब शुरू किया तो क्यों शुरू किया? खुद पर कोई प्रेशर मत डालो। लाइफ को एंजॉय करो।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।